मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला

▸▸ 2 प्रवासी मजदूरों की मौत, सुरक्षा बल ने इलाके में की घेराबंदी

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई है। हमला रविवार शाम को गांदरबल के सोनमर्ग में एक निर्माणाधीन सुरंग के पास हुआ। इस दौरान वहां मौजूद दो प्रवासी मजदूरों को आतंकियों ने गोलीमार कर मौत के घाट उतार दिया। वहीं सूचना के बाद मौके पर पहुंचे सुरक्षा बल ने इलाके में घेरा बंदी कर जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही सुरक्षाबलों द्वारा पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चालाया जा रहा है। जिससे आतंकियों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। शुरुआती जांच से पता चला कि, जिन श्रमिकों पर हमला किया गया है, वे जेड मोड़ सुरंग पर काम कर रहे निर्माण टीम का हिस्सा थे, जो मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में गगनेर को सोनमर्ग से जोड़ती है।

उमर अब्दुल्ला बोले-कायराना हरकत

घटना पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने शोक जताते हुए कहा कि मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। यहा कायराना हमला है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदानाए व्यक्त की है। गौरतलह है कि हालही में हुए विधानसभा चुनाव में गांदरबल से मुख्यमंत्री उमर अबदुल्ला चुनाव जीते थे। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

आतंकी हमले में दिख रहा नया पैटर्न

गौरतलब है कि बीते कुछ माह से जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले बढ़ गए हैं। इससे पहले कश्मीर से आगे जम्मू में आतंकियों द्वारा सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जा रहा था। अब एक बार टारगेट किलिंग पैटर्न नजर आ रहा है। 2 दिन पहले शोपियां जिले में एक बिहार के रहने वाले मजदूर की हत्या की गई थी। कथित तौर शोपियां की वारदात को आतंकियों द्वारा अंजाम दिया गया था। जब स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे शव देखा तो उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। इन दोनों घटनाओं में आतंकियों द्वारा गैरस्थानियों को निशाना बनाया गया। जिससे प्रवासी मजदूरों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

सेना के जवान की अपहरण के बाद हुई थी हत्या

अक्टूबर महीने की शुरुआत में अनंतनाग जिले में आतंकवादियों द्वारा अपहरण के बाद एक भारतीय सेना के जवान की गोलीमार कर हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक सेना के जवान को 8 अक्टूबर को 161 यूनिट संबंधित दो सैनिकों का अपहरण किया गया था। हालांकि उनमें से एक भागने में कामयाब हो गया था, लेकिन आतंकियों ने दूसरे जवान को गोली मार दी थी।

इंडिगो के 6 विमानों को बम से उड़ाने धमकी

एक हफ्ते में 70 इमरजेंसी लैंडिंग, 200 करोड़ धुआं होने के बाद एक्शन

एजेंसी । नई दिल्ली

विमानों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला बीते एक सप्ताह से जारी है। देश भर में रविवार को इंडिगो के 6 यात्री विमानों की इमरजेंसी लैंडिग हुई। इससे पहले शनिवार को 30 विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। जिसके चलते यात्रियों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा था। इंडिगो ने प्रेस रिलीज जारी कर घटना के बाबत जानकारी दी है।

बता दें कि बीते एक सप्ताह में बम से उड़ाने की धमकियों के चलते देश में भर में करीब 70 विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। हालांकि एक भी विमान में अभी तक किसी प्रकार का बिस्फोटक बरामद नहीं हुआ है। सभी धमकियां झूठी साबित हुई हैं। इन धमकियों की वजह से अलग अलग फ्लाइट कंपनियों का लगभग 200 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

DGCA प्रमुख को केंद्र ने हटाया

वहीं विमानों को बम उड़ाने झूठी धमकियों को लेकर गृह मंत्रालय एक्शन में आ गया है। इस संबंध में सिविल एविएशन मिनिस्ट्री और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी से डिटेल रिपोर्ट मांगी है। CISF, NIA और IB को भी रिपोर्ट देने को कहा गया है। इसके अलावा केंद्र ने DGCA प्रमुख विक्रम देव दत्त का को पद से हटा दिया है। अब उन्हें कोयला मंत्रालय में सचिव बना दिया है। ऐसा कहा जा रहा है कि विमानों को लगातार बम से उड़ाने की मिल रही धमकियों के चलते DGCA चीफ के खिलाफ एक्शन लिया गया है। इस मामले में अभी तक सिर्फ एक गिरफ्तारी हुई है। मुबई पुलिस ने बम की झूठी खबर फैलाने के मामले एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। आरोपित ने 14 अक्टूबर को इंडिगों फ्लाइट में बम होने की धमकी दी थी। वहीं दिल्ली की बात को पुलिस ने 10 मामले दर्ज किए हैं, लेकिन अभी तक एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसके अलावा सरकार ने विमान में बम होने के फर्जी दावे करने वाले 10 सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है।

भाजपा की 99 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी

89 पुराने : इनमें 10 SC-ST, 13 महिलाएं; 3 निर्दलियों को भी टिकट

फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम से लड़ेंगे

राजा आदाटे । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को बीजेपी ने 99 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की। इनमें 6 सीटें एसटी और 4 सीटें एससी के लिए हैं। वहीं, 13 सीटों पर महिलाओं को टिकट दिया गया है। 10 पहली बार चुनाव लड़ेंगे। मौजूदा तीन निर्दलीय विधायकों को भी भाजपा ने टिकट दिया है। डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम से, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले कामठी से लड़ेंगे। महाराष्ट्र के पूर्व CM अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को भोकर और पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को भोकरदन सीट से टिकट दिया गया है। पार्टी ने 3 मौजूदा विधायकों का टिकट काटा है।

3 निर्दलीय को भी टिकट

भाजपा की पहली लिस्ट में तीन निर्दलीय महेश बाल्दी (उरान), राजेश बाकाणे (देवली), विनोद अग्रवाल (गोंदिया) शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव हारे 2 को टिकट

मई महीने में चंद्रपुर सीट से लोकसभा चुनाव हारे सुधीर मुनगंटीवार को बल्लारपुर विधानसभा और मिहिर कोटेचा को मुलुंड सीट से टिकट मिला है।

2 भाइयों को मिला टिकट

मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार को बांद्रा पश्चिम से और उनके भाई विनोद शेलार को मलाड पश्चिम से टिकट मिला।

कोलाबा से लड़ेंगे विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को कोलाबा से और नितेश राणे को कंकावली से चुनाव लड़ेंगे। नार्वेकर शिवसेना और NCP विधायकों की सदस्यता खत्म नहीं करने को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। नितेश राणे मुस्लिम विरोधी बयानों को लेकर विवादों में हैं। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण की सीट कराड दक्षिण से अतुल भोसले को और छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज शिवेंद्रराजे भोसले को सातार से उम्मीदवार बनाया है।

कोई मुस्लिम उम्मीदवार नहीं

भाजपा ने 99 उम्मीदवारों की पहली सूची में 4 दलित चेहरों के जगह दी है। इसके अलावा पार्टी ने 6 आदिवासी उम्मीदवार भी उतारे हैं। लेकिन इस सूची में एक भी मुस्लिम नाम शामिल नहीं किया है। जबकि बीजेपी ने 'सबका-साथ, सबका-विकास' नारे में 'सबका विश्वास' इसीलिए शामिल किया था कि मुस्लिमों को भी भरोसे में लिया जा सके, मगर महाराष्ट्र में पार्टी ने टिकट वितरण में एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा है। जिसके बाद यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि ऐसे सबका विश्वास कैसे जीतेंगे?

बीजेपी की पहली लिस्ट, 99 नाम

सीट	उम्मीदवार
1. नागपुर द. पश्चिम	देवेंद्र फडणवीस
2. कामठी	चन्द्रशेखर बावनकुले
3. शहादा	राजेश उदेसिंह पाडवी
4. नंदुरबार	विजय कुमार गावित
5. धुले सिटी	अनूप अग्रवाल
6. सिंदखेड़ा	जयकुमार रावल
7. शिरपुर	काशीराम वेचन पावरा
8. रावेर	अमोल जावले
9. भुसावल	संजय वामन सावकारे
10. जलगांव सहर	सुरेश दामू भोले
11. चालीसगांव	मंगेश रमेश चव्हाण
12. जामनेर	गिरीश दत्ताप्रेय महाजन
13. चिखली	श्वेता विद्याधर महाले
14. खामगांव	आकाश पांडुरंग फुंडकर
15. जलगांव (जामोद)	संजय श्रीरा कुटे
16. अकोला पूर्व	रणधीर प्रल्हादराव सावरकर
17. धामंगांव रेलवे	प्रताप जनार्दन अडसद
18 . अचलपुर	प्रवीण तायडे
19. देवली	राजेश बकाने
20. हिंगणघाट	समीर ज्यंबकराव कुणावार
21. वर्धा	पंकज राजेश भोयर
22. हिंगना	समीर दत्ताप्रेय मेघे
23. नागपुर दक्षिण	मोहन गोपालराव माते
24. नागपुर पूर्व	कृष्ण पंचम खोपड़े
25. तिरोरा	विजय भरतलाल रहांगडाले
26. गोंदिया	विनोद अग्रवाल
27. अमगांव	संजय हनवंतराव पुरम्
28. आर्मोरी	कृष्णा दामाजी गजबे
29. बल्लारपुर	सुधीर सच्चिदानंद मुनगंटीवार
30. चिमूर	बंटी भांगड़िया
31. वानी	संजीवरेड्डी बापुराव बोडकुरवार
32. राळेगांव	डॉ. अशोक रामाजी उइके
33. यवतमाल	मदन मधुकरराव येरवर
34. किनवट	भीमराव रामजी केरम
35. भोकर	श्रीजया अशोक चव्हाण
36. नायगांव	राजेश संभाजी पवार
37 . मुखेड़	तुषार राठोड़
38. हिंगोली	नारायण कुचे
39. जिंतूर	संतोष रावसाहेब दानवे
40. परतूर	बाबानराव लोणीकर
41. बदनापुर	नारायण कुचे
42. भोकरदन	संतोष रावसाहेब दानवे
43. फुलंब्री	अनुराधाताई चव्हाण
44. औरंगाबाद पूर्व	अतुल सावे
45. गंगापुर	प्रशांत बंब
46. बगलान	दिलीप मंगलू बोरसे
47. चंदवड़	डॉ. राहुल दौलतराव अहेर
48. नासिक पूर्व	राहुल उत्तमराव ढिकाले
49. नासिक पश्चिम	सीमाताई महेश हिरे
50. नालासोपारा	राजन नाइक
51. भिवंडी पश्चिम	महेश प्रभाकर चौघुले
52. मुरबाद	किसन शंकर कथोरे
53. कल्याण पूर्व	सुलभा कालु गायकवाड़
54. डोंबिवली	रवींद्र दत्ताप्रेय चव्हाण
55. ठाणे	संजय मुकुंद केलकर
56. ऐरोली	गणेश नाइक
57. बेलापुर	मंदा विजय म्हात्रे
58. दहिसर	मनीषा अशोक चौधरी
59. मुलुंड	मिहिर कोटेचा
60. कांदिवली पूर्व	अतुल भातखलकर
61. चारकोप	योगेश सागर
62. मलाड पश्चिम	विनोद शेलार
63. गोरेगांव	विद्या जयप्रकाश ठाकुर
64. अंधेरी पश्चिम	अमीत सातम्
65. विले पार्ले	पराग अलवणी
66. घाटकोपर पश्चिम	राम कदम
67. वांद्रे पश्चिम	आशीष शेलार
68. सायन कोलीवाड़ा	कैप्टन आर. तमिल सेल्वन्
69. वडाला	कालिदास कोलंबकरचक्रवर्ती
70. मालबार हिल	मंगल प्रभात लोढ़ा
71. कोलाबा	राहुल सुरेश नार्वेकर
72. पनवेल	प्रशांत ठाकुर
73. उरान	महेश बाल्दी
74. दौंड	राहुल सुभाषराव कुल
75. चिंचवाड़	शंकर जगताप
76. भोसरी	महेश (दादा) किसान लांडगे
77. शिवाजीनगर	सिद्धार्थ शिरोले
78. कोथरुड	चंद्रकांत दादा बच्चू पाटिल
79. पार्वती	माधुरी सतीश मिसाल
80. शिरडी	राधाकृष्ण एकनाथराव विखे पाटिल
81. शेवगांव	मोनिका राजीव राजले
82. राहुरी	शिवाजीराव भानुदास कार्डिले
83. श्रीगोंद्या	प्रतिभा पचपुते
84. कर्जत जामखेड	राम शंकर शिंदे
85. कैज	नमिता मूंदड़ा
86. निलंगा	संभाजी पाटिल निलांगेकर
87. औसा	अभिमन्यु पवार
88. तुलजापुर	राणाजगजीतसिंह पद्मसिंह पाटिल
89. सोलापुर शहर उत्तर	विजयकुमार देशमुख
90. अक्कलकोट	सचिन कल्याणशेट्टी
91. सोलापुर दक्षिण	सुभाष देशमुख
92. मान	जयकुमार भगवानराव गोरे
93. कराड दक्षिण	डॉ. अतुल सुरेश भोसले
94. सतारा	छत्रपति शिवेंद्र राजे भोसले
95. कंकावली	नितेश नारायण राणे
96. कोल्हापुर दक्षिण	अमल महादिक
97. इचलकरंजी	राहुल प्रकाश अवाडे
98. मीरज	सुरेश खाड़े
99. सांगली	सुधीर दादा गाडगिल

महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को चुनाव, 23 नवंबर को रिजल्ट

- महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को 2024 को खत्म हो रहा है। महाराष्ट्र में महायुति यानी शिवसेना, भाजपा और NCP अजित पवार गुट की सरकार है। एंटी इनकम्बेंसी और 6 बड़ी पार्टियों के बीच बंटने वाले वोट को साधना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी।
- लोकसभा चुनाव में भाजपा 23 से 9 सीटों पर सिमटी 2024 लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में INDIA गठबंधन को 30 और NDA को 17 सीटें मिलीं।। इनमें BJP को 9, शिवसेना को 7 और NCP को सिर्फ 1 सीट मिली। भाजपा को 23 सीटों का नुकसान हुआ। 2019 लोकसभा चुनाव से NDA को 41 सीटें मिली थीं। 2014 में यह आंकड़ा 42 था। यानी आधे से भी कम।
- लोकसभा चुनाव के हिसाब से भाजपा को नुकसान का अनुमान 2024 लोकसभा चुनाव के हिसाब से भाजपा 60 सीटों के आसपास सिमट जाएगी। विपक्षी गठबंधन के एक सर्वे में राज्य की 288 सीटों पर MVA यानी महाविकास अघाड़ी को 160 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। भाजपा के लिए मराठा आंदोलन सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अलावा शिवसेना और NCP में तोड़फोड़ के बाद उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ लोगों की सिम्पैथी है।

महाराष्ट्र 2019 विधानसभा चुनाव समीकरण

- 2019 में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन था। बीजेपी ने 105 सीटें और शिवसेना ने 56 सीटें जीती। गठबंधन से एनसीपी को 54 और कांग्रेस को 44 सीटें मिलीं थी। भाजपा-शिवसेना आसानी से सत्ता में आ जाती, पर मनमुटाव के कारण गठबंधन टूट।
- 23 नवंबर 2019 को फड़नवीस ने मुख्यमंत्री और अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ये सुबह-सुबह की शपथ थी। पर बहुमत परीक्षण से पहले 26 नवंबर 2019 को दोनों ने इस्तीफा दे दिया। 28 नवंबर 2019 को शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महा विकास अघाड़ी सत्ता में आई। इसके बाद शिवसेना और एनसीपी में बगावत हुई और 4 दल बने। लोकसभा चुनाव में शरद और उद्धव को बढ़त मिली। इन्हीं सब पृष्ठभूमि में विधानसभा चुनाव होगा।

सबका विश्वास कैसे जीतेगी बीजेपी?

इस सवाल के जवाब में राजनीतिक पंडितों का कहना है कि बीजेपी हिंदुत्वादी राजनीति के लिए जानी जाती है। लेकिन 2019 चुनाव के पहले उसने मुस्लिमों को भी लुभाने की कोशिश की जो कि 2024 तक जारी रही। लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों ने उसे हताश कर दिया। जिसके चलते वह फिर से पुराने ढर्रे पर लौट पड़ी है। दूसरा महाराष्ट्र की सियासत हिंदुत्व के बलबूते पर ही चलती है। ऐसे में सबका विश्वास जीतने से कहीं ज्यादा ज़रूरी चुनाव जीतना है।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

आदिवासी नेता ने थामा एनसीपी का दामन

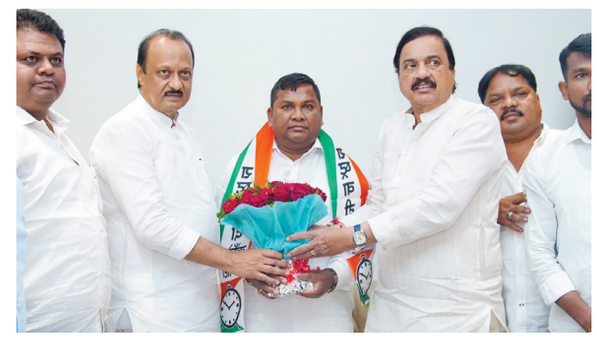

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र में चुनावों का ऐलान हो चुका है। वहीं दूसरी तरफ नेताओं के उछलकूद भी शुरू हो गई है। रविवार को राज्य में पार्टी को बड़ा झटका देते हुए दिग्गज आदिवासी नेता भरत माणिकराव गावित ने एनसीपी अजित पवार का दामन थाम लिया है। गावित के एनसीपी में शामिल होने से नंदुरबार में कांग्रेस पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

वरिष्ठ कांग्रेस आदिवासी नेता भरत माणिकराव गावित रविवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) में शामिल हो गए। उन्हें मुंबई स्थित पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार और एनसीपी राज्य अध्यक्ष सुनील तटकरे द्वारा पार्टी में शामिल किया गया। उनके पिता, दिवंगत माणिकराव गावित, कांग्रेस के प्रमुख नेता थे और उत्तर महाराष्ट्र में एक प्रभावशाली नेता माने जाते थे। माणिकराव गावित 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और 2013 में सामाजिक न्याय राज्य मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं।

भरत माणिक राव गावित ने एनसीपी का दामन थामते हुए कहा कि नवापूर विधानसभा क्षेत्र में अपने लोगों के उज्जवल भविष्य के लिए अजित पवार के साथ जुड़ा हूं, माणिकराव गावित की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाऊंगा' जिसके बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि भरत माणिकराव गावित को नवापुर सीट एनसीपी उतार सकती है।

कांग्रेस के लिए बड़ा झटका क्यों?

नवापुर सीट एसटी कैटेगरी के लिए आरक्षित है। वहीं 2019 के आंकड़ों के मुताबिक यहां कुल वोट का 85 फीसदी से ज्यादा मतदाता एसटी कैटेगरी से आते हैं। ऐसे में भरत माणिकराव गावित के एनसीपी में जाने से कांग्रेस को बड़ा नुकसान हो सकता है। वहीं, एनसीपी भरत माणिकराव को चुनावी मैदान में उतार सकती है। भरत माणिकराव गावित का नंदुरबार क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव है, उनके शामिल होने से आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में पार्टी के आदिवासी आधार को मजबूती मिलेगी। वर्तमान में, वह आदिवासी सहकारी चीनी कारखाना, डोकारे नवापूर के अध्यक्ष हैं, नंदुरबार जिला परिषद के सदस्य और पूर्व अध्यक्ष रहे हैं, और लाडकी बहीन योजना नवापूर विधानसभा क्षेत्र समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

केरल में जनता के लिए गरजी नाव्या हरिदास

वायनाड को केवल एक विकल्प के रूप में देखता है गांधी परिवार : नाव्या

कोझिकोड निगम में नाव्या दो बार रह चुकी हैं पार्षद

'प्रियंका गांधी वाड्रा कोई नया चेहरा नहीं हैं'

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल में नवंबर में लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने वाले है। इस बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार नाव्या हरिदास ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। केरल में वायनाड लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार नाव्या हरिदास ने गांधी परिवार की मंशा बताते हुए रविवार को कहा कि गांधी परिवार इस निर्वाचन क्षेत्र को महज एक विकल्प या दूसरी सीट के रूप में देख रहा है।

(राजग) की उम्मीदवार नव्या हरिदास ने कहा कि राहुल गांधी की ये हरकत और इस क्षेत्र के लोगों को अब यह बात समझ आ गई है। नव्या हरिदास कोझिकोड निगम में दो बार पार्षद रह चुकी है। हरिदास ने कहा कि वायनाड के मतदाता एक ऐसा नेता चाहते हैं जो उनके लिए खड़ा हो और उनकी समस्याओं का समाधान करे।

वायनाड के मुद्दे उठाने में रहे विफल

कोझिकोड में पत्रकारों से बातचीत के दौरान (राजग) नव्या हरिदास ने कहा कि जहां तक पूरे देश का सवाल है, तो प्रियंका गांधी वाद्रा कोई नया चेहरा नहीं हैं, लेकिन वायनाड के लिए वह नई हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'प्रियंका गांधी परिवार के प्रतिनिधि के रूप में आ रही हैं, जो संसद में वायनाड के मुद्दों को उठाने में विफल रहा है।' उन्होंने कहा कि वायनाड के लोगों ने राहुल गांधी पर विश्वास किया था। वायनाड की जनता ने इस विश्वास के साथ राहुल गांधी को जनादेश दिया था कि वह अगले पांच साल तक उनके साथ रहेंगे, लेकिन जब उन्हें रायबरेली को अपने पास रखने का मौका मिला तो गांधी परिवार के वारिस ने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र को छोड़ दिया।

विकल्प के रूप में वायनाड

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार नाव्या हरिदास ने कहा कि वायनाड के लोगों को अब यह एहसास हो गया है कि इस निर्वाचन क्षेत्र को गांधी परिवार सिर्फ एक दूसरी सीट या विकल्प के रूप में देखता है। हरिदास ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी काफी आश्चर्यजनक है और उन्होंने विश्वास जताया कि 13 नवंबर को होने वाले चुनाव के दौरान वायनाड में पार्टी का वोट प्रतिशत बढ़ेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विभिन्न राज्यों में आगामी उपचुनाव के लिए शनिवार को अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की, जिसमें पार्टी की युवा महिला नेता हरिदास को इस महत्वपूर्ण सीट के लिए पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया।

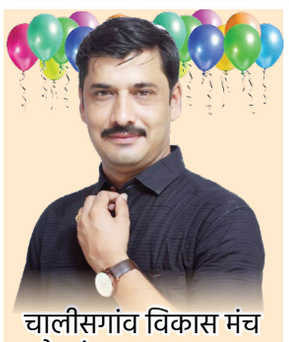

चालीसगांव विकास मंच के संस्थापक-अध्यक्ष

श्री. प्रफुल्ल (भाऊ) सालुंखे

को जन्मदिन की

हार्दिक शुभकामनाएं

-: शुभेच्छूक :-

मा. श्री. प्रफुल्ल (भाऊ) सालुंखे मित्र परिवार, नवी मुंबई.

बहराइच हिंसा

बुलडोजर एक्शन पर लखनऊ हाईकोर्ट ने लगाई रोक

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बहराइच में बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने लोक निर्माण विभाग (PWD) की नोटिस का जवाब देने के लिए पीड़ितो को 15 दिन की मोहलत दी है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने लोकनिर्माण विभाग से जवाब मांग है कि जिन दुकानों पर नोटिस चस्पा की गई है, उसके सामने से गुजरने वाली रोड ग्रामीण है, शहरी है या हाईवे है। वहीं बहराइच हिंसा में 3 आरोपितों के रिश्तेदारों ने लोक निर्माण विभाग की बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

आचार संहिता का हो रहा उल्लंघन, पांच दिन में 576 शिकायतें

'सी-विजिल' ऐप पर खुल रही पोल

मुनीब चौरसिया । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है, इसी के साथ ही आचारसंहिता भी लागू की जा चुकी है। विधानसभा चुनाव-2024 के लिए राज्य में 15 अक्टूबर 2024 से आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद के पहले पांच दिनों (15 से 19 अक्टूबर 2024 तक) में राज्य भर में सी-विजिल ऐप पर कुल 576 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। आचारसंहिता का उल्लंघन अगर देखा जाता है तो इसकी शिकायत सी-विजिल ऐप पर की जा सकती है। इस पर की गई शिकायत का जल्द-से-जल्द कार्रवाई की जाती है। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. किरण कुलकर्णी ने बताया कि इनमें से 98 फीसदी यानी 563 शिकायतों का निपटारा चुनाव आयोग ने कर दिया है।

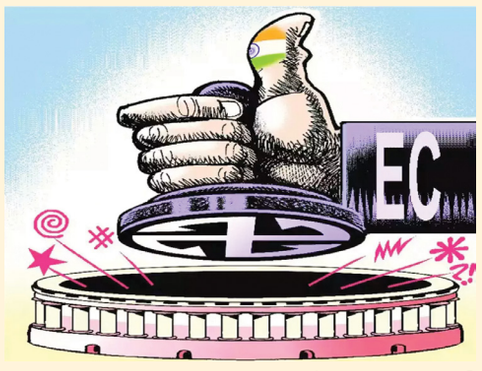

पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी

डॉ. कुलकर्णी ने कहा कि चुनाव को पक्षपात रहित एवं पारदर्शी बनाने के लिए सी-विजिल ऐप को किसी भी ऐप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इस ऐप के जरिए नागरिक आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत कर सकते हैं। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित टीम द्वारा जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाती है।

14 करोड़ 90 लाख की संपत्ति जब्त

डॉ. कुलकर्णी ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाई में अवैध धन, शराब, ड्रग्स और कीमती धातुओं आदि के मामले में कुल 14 करोड़ 90 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई है।

हटाए गए सवा 7 लाख विज्ञापन

डॉ. कुलकर्णी ने बताया कि आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी परिसरों से 2 लाख 42 हजार 634 विज्ञापन, सार्वजनिक परिसरों से 2 लाख 79 हजार विज्ञापन और निजी परिसरों से 1 लाख 83 हजार विज्ञापन हटाए गए हैं। इसमें वॉल पेंटिंग, पोस्टर, बैनर, कटआउट, फ्लेक्स आदि शामिल हैं और अनधिकृत विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

आचारसंहिता के दौरान सरकार पर लगे पाबंद

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आचार संहिता का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। सभी विभागों को सूचित कर दिया गया है कि अब से किसी भी कल्याणकारी योजना के लिए किसी नए लाभार्थी का चयन नहीं किया जा सकता है तथा किसी भी नई योजना की घोषणा नहीं की जा सकती और चुनाव आयोग की अनुमति के बिना किसी कल्याणकारी योजना के तहत धन के आवंटन की अनुमति भी नहीं है।

मनोज जरांगे ने किया विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान

बोले- मराठा आबादी वाली सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार

दोपहर संवाददाता । जालना

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन करने वाले मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उतरने का फैसला कर लिया है। चुनाव लड़ने को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर विराम लगाते हुए मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने रविवार को घोषणा की कि वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेंगे। जालना में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह घोषणा की। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में सभा को संबोधित करते हुए मनोज जरांगे ने कहा कि हम उन विधानसभा सीटों पर मराठा उम्मीदवार उतारेंगे, जहां इस समुदाय के लोगों की अच्छी-खासी आबादी है। उन्होंने कहा कि कहा कि वह केवल उन्हीं सीटों पर मराठा उम्मीदवार उतारेंगे, जहां समुदाय की जीत की संभावना है।

दूसरे उम्मीदवारों का करेंगे समर्थन

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि मराठा समुदाय, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित क्षेत्रों में मराठा मुद्दों का समर्थन करने वाले दूसरे उम्मीदवारों का समर्थन करेंगा। उन्होंने कहा कि जिन विधानसभा सीटों पर मराठा समुदाय की जीत की संभावना नहीं है, वहां मराठा समाज जाति या धर्म की परवाह किए बिना आरक्षण की मांग का समर्थन करने वाले दूसरे उम्मीदवारों का समर्थन करेगा।

लिखित प्रतिज्ञा पर करना होगा हस्ताक्षर

मनोज जरांगे ने कहा कि जो उम्मीदवार मराठा आरक्षण की मांग को लेकर हमारे साथ हैं, उन्हें लिखित प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी उम्मीदवार से नामांकन वापस लेने के लिए कहा जाता हैतो उसे इसका अनुपालन करके नामांकन पत्र वापस लेना होगा।

20 नवंबर को होगा मतदान

बता दें कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। जरांगे ने मराठा समाज के संभावित उम्मीदवारों से नामांकन पत्र दाखिल करने की अपील करते हुए कहा कि उनकी उम्मीदवारी के बारे में अंतिम निर्णय 29 अक्टूबर को किया जाएगा। मनोज जरांगे ने इस दौरान उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस पर मराठा आरक्षण आंदोलन को कमजोर करने का आरोप लगाया। साथ ही मराठा समुदाय से अन्य पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण की मांग के पीछे एकजुट होने और अपने अधिकारों के लिए लड़ाई जारी रखने की अपील की।

नासिक में सीट बंटवारे पर एनसीपी (एसपी) का वर्चस्व

जिले की 15 में से 6 सीटें मिलीं

दोपहर संवाददाता । नासिक

विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद, महाविकास आघाड़ी और महायुति में सीट बंटवारे पर गतिरोध बना हुआ है। जिले में लोकसभा की 2.5 और विधानसभा की 15 सीटें हैं। लोकसभा चुनाव में महायुति की हार हुई थी और महाविकास आघाड़ी के सांसद जीते थे। ऐसे में यदि लोकसभा का रुझान विधानसभा में बना रहता है, तो महायुति को बड़ा झटका लग सकता है। इसके कारण महाविकास आघाड़ी से चुनाव लड़ने के इच्छुकों की संख्या बढ़ी है। महाविकास आघाड़ी में सबसे अधिक इच्छुक होने के कारण, राकांपा, कांग्रेस और शिवसेना ठाकरे गुटों में सीट बंटवारे पर रस्साकशी चल रही है।

राकांपा को मिली 6 सीटें

हालांकि, महाविकास आघाड़ी से जिले में सीटों का बंटवारा लगभग तय हो गया है, जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। जिले की 15 में से 6 सीटें दिंडोरी, देवलाली, येवला, सिन्नर, नाशिक पूर्व और बागलाण राकांपा को मिली हैं। पिछली बार यहां से राष्ट्रवादी कांग्रेस के 6 विधायक चुने गए थे, इसलिए राकांपा ने इन सीटों पर दावा कर रही थी। इसके तहत जिले में सीट बंटवारे में 6 सीटें राकांपा के खाते में आई हैं। निफाड में राष्ट्रवादी कांग्रेस के विधायक होने के बावजूद, यह सीट पूर्व विधायक अनिल कदम के लिए शिवसेना ने अपने पाले में खींच ली है।

इन दो सीटों पर जल्द होगा निर्णय

राष्ट्रवादी कांग्रेस के उपाध्यक्ष गोकुल पिंगले, शहर अध्यक्ष गजानन शेलार और पूर्व महापौर प्रकाश मते ने शनिवार को जिले और शहर में सीट बंटवारे पर फिर से चर्चा की। उन्होंने चांदवड और नासिक मध्य सीटों को शामिल करने की मांग शरदचंद्र पवार से की है। लेकिन कांग्रेस ने चांदवड पर दावा किया है, जबकि नासिक मध्य पर शिवसेना (UBT) और कांग्रेस में तनातनी चल रही है। पवार ने अधिकारियों को आश्वासन दिया कि जल्द ही इन सीटों पर निर्णय लिया जाएगा। महाविकास आघाड़ी के जिले में 15 में से 14 सीटों पर गतिरोध समाप्त हो गया है, लेकिन नासिक मध्य विधानसभा सीट के कारण सीट बंटवारे में देरी हो रही है। शिवसेना (UBT)गुट ने इस सीट पर अपना दावा कायम रखा है, जबकि कांग्रेस के नेता इसे अपने पाले में रखने के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई लड़ रहे हैं, क्योंकि यह सीट कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक और अनुकूल रही है।

नासिक मध्य सीट पर रस्साकशी

कलवण भी राकांपा के हिस्से में आई है, लेकिन यह सीट माकपा के पूर्व विधायक जीवा पांडू गावित के लिए छोड़ी जाएगी। इस तरह राकांपा को 7 सीटें मिलने वाली हैं। हालांकि शिवसेना (UBT)और कांग्रेस के बीच नासिक मध्य सीट को लेकर रस्साकशी चल रही है, जिससे जिले में सीट बंटवारे में देरी हो रही है।

भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चुनाव की तैयारी पूर्णः चुनाव अधिकारी

3 लाख 70 हजार मतदाता हैं सूचीबद्ध

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भारतीय चुनाव आयोग द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद सरकारी यंत्रणा चुनाव काम पर लग चुकी है। भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चुनाव के लिए सरकारी मशीनरी पूरी तरह से तैयार होने की जानकारी भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के चुनाव निर्णय अधिकारी अमित सानप ने पत्रकार परिषद में दी। उन्होंने चुनाव तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि, भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 15 अक्टूबर तक 3 लाख 70 हजार मतदाता सूचीबद्ध हुए जिसमें 2 लाख 13 हजार 368 पुरुष 1 लाख 56 हजार 34 स्त्री व 187 अन्य सहित 14 सैनिक मतदाता एवं 2 विदेशी मतदाता शामिल हैं। विधानसभा चुनाव की के लिए 335 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 84 इमारत में 230 मतदान केंद्र ग्राउंड पर,47 मतदान केंद्र मंडप में व 51 मतदान केंद्र पार्टीशन में बनाए गए हैं।

प्रत्येक मतदान केंद्र के बाहर मतदाता को रुकने के लिए मंडप व्यवस्था में कुर्सी,पीने का पानी की व्यवस्था की जाएगी। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में उक्त मतदार संघ में 46.94 % एवं विधानसभा चुनाव में 47.39 % मतदान हुआ था। 2024 में लोकसभा चुनाव में 49.69 % मतदान हुआ जो 2% बढ़ा है । चुनाव में अधिकाधिक वोटरों को मतदान करने के लिए जनजागृती कार्यक्रम चलाकर बीएलओ की मदद से वोटरों को जानकारी देकर दिव्यांग व वयोवृद्ध मतदाता के घर पर मतदान की व्यवस्था की जाएगी। चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं घटित हो,पैसा,शराब का उपयोग नहीं होने के लिए मतदान संघ के प्रवेश स्थान निंबवली,साईबाबा नाका, नदीनाका व सोनाले में 24 घंटे एसएसटी पथक तैनात होगा। इसके अलावा 12 विजिलेंस पथक व सतर्कता बल तैनात किया जाएगा। चुनाव प्रचार के दरम्यान वीडियोग्राफी के लिए 6 पथक तैयार किया गया है। प्रत्याशियों को विभिन्न अनुमति के लिए एक खिडकी योजना व नियंत्रण कक्ष तैयार कर टोल फ्री क्रमांक 18002331114 व 02522 230200 नंबर उपलब्ध किया गया है। मतदान संघ का स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्र भादवड स्थित स्व.संपदा नाईक सभागृह में बनाया गया है।

पुलिस ने चोरी व मिसिंग के 65 मोबाइल फोन संबंधित लोगों को लौटाया

दोपहर संवाददाता । ठाणे

कलवा पुलिस स्टेशन का उल्लेखनीय कार्य सामने आया है।नागरिकों के मोबाइल फोन चोरी व मिसिंग के तमाम शिकायत दर्ज किये जाने के बाद पुलिस की विशेष शाखा के अथक प्रयास से 65 मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद किया है। जिसकी कीमत लगभग 7 लाख 20 हजार रुपये बताई गई।कलवा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक उतेकर ने शिकायतकर्ताओं को बुलाकर उनका मोबाइल फोन लौटाया।

भिवंडी मनपा के वार्ड नंबर 3 में सड़क सीवर और अन्य सार्वजनिक निर्माण कार्य

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू होने से कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 4 करोड़ रुपये का फंड दिया है। जिसमें से 1 करोड़ रुपए के फंड का इस्तेमाल नूरी नगर कब्रिस्तान की दीवार बाउंड्री और अन्य निर्माण कार्यों में किया जाएगा। इस फंड के लिए पूर्व नगरसेवक शरद नामदेव धुले और उनके अन्य सहयोगियों ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी।

पूर्व नगरसेवक शरद नामदेव धुले ने बताया कि भिवंडी मनपा के पास फंड की कमी है, जिसके कारण पूरे शहर का विकास कार्य रुका हुआ है। उनके वार्ड में सड़कें बेहद जर्जर हैं और नालियां भी टूटी हुई हैं। जिससे वहां के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनके आग्रह पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन्हें चार करोड़ रुपये का फंड दिया है। जिसके बाद इन लोगों ने अपने वार्ड में सड़क और नाली निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। पूर्व नगरसेवक शरद धुले ने कहा कि इस फंड से फातिमा नगर, डोंगरपाडा, नूरी नगर और आसपास के इलाकों के लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। चावंद्रा डंपिंग ग्राउंड से डोंगरपाडा तक सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। फातिमा नगर और नूरी नगर में भी सड़क और सीवर का काम जल्द शुरू किया जाएगा। बाद में वहां कब्रिस्तान की चहारदीवारी का काम भी पूरा कर लिया जायेगा। बता दें कि इससे पहले शरद धुले ने नगरसेवक रहते हुए गाजी मियां कब्रिस्तान की बाउंड्रीवॉल और सीढ़ियों का निर्माण कार्य अपनी निधि से पूरा कराया था। जिसके लिए आज भी वहां के लोग उनके आभारी हैं।

ठाणे जिले के विभिन्न विधानसभा के भाजपा उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले के डोंबिवली विधानसभा क्षेत्र से चौथी बार विधायक व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चव्हाण को बीजेपी ने उम्मीदवार बनाया है तो वही बदलापुर-मुरबाड विधानसभा क्षेत्र से किसन कथोरे को बीजेपी ने उम्मीदवारी दी हैं। इसके अलावा कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र से विधायक गणपत गायकवाड की पत्नी सुलभा गायकवाड को उम्मीदवारी दिया है। बता दे की रविंद्र चव्हाण को चौथी बार उम्मीदवारी दी गई है इसके अलावा रविंद्र चव्हाण के पास लोक निर्माण मंत्री पद था, देवेंद्र फडणवीस के काफी करीबी माने जाते है। उम्मीदवारी घोषित होने के बाद रविंद्र चव्हाण ने कहा कि, मैं आभारी हूं कि पार्टी ने चौथी बार मुझ पर विश्वास दिखाया है और

जनता की सेवा करने का अवसर है। जल्द ही चुनाव प्रचार शुरू करूंगा। कल्याण पूर्व से सुलभा गायकवाड को उम्मीदवार बनाया है। सुलभा गायकवाड ये विधायक गणपत गायकवाड की पत्नी है जिन्होंने उल्हासनगर के हिल लाईन पुलिस थाने के भीतर शिवसेना नेता महेश गायकवाड पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। विधायक गणपत गायकवाड फिलहाल जेल मे है, कुछ महीने से गणपत गायकवाड की पत्नी सुलभा गायकवाड कल्याण पूर्व चुनावी क्षेत्र में लोगों से मिलना जुलना शुरू कर दिया था। बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने सुलभा गायकवाड पर विश्वास जताते हुए उन्हे उम्मीदवारी दी है। ठाणे जिले में बीजेपी ने किसन कथोरे को अपना उम्मीदवार बनाया है, किसन कथोरे ये 4 बार विधायक रह चुके हैं, अब पांचवी बार चुनाव लड़ेंगे। पहले एनसीपी से 2 और अब बीजेपी से तीसरी बार चुनाव लड़ेंगे। बड़े नेताओ की लिस्ट में किसन कथोरे का नाम शामिल हैं।

कल्याण पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से महाविकास अघाड़ी में बिगाडी के असार

दोपहर संवाददाता । कल्याण

कल्याण के दो विधानसभा क्षेत्रों में महाविकास अघाड़ी गुटों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस ने इस निर्वाचन क्षेत्र को लेकर स्पष्ट रुख अपना लिया है और जिला अध्यक्ष सचिन पोटे के बाद अब पूर्व कांग्रेस नगरसेवक और कांग्रेस राज्य कमिटी शहरी विकास सेल के अध्यक्ष नवीन सिंह ने भी कल्याण पूर्व-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की है। कल्याण पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में ठाकरे गुट के पास इच्छुक उम्मीदवारों की कमी है, इसलिए उन्हें बाहर से उम्मीदवार लाने पड़ते हैं, या उन्हें उम्मीदवारों को आयात करना पड़ता है। नवीन सिंह ने दावा किया है कि इस सीट पर कांग्रेस के पास सक्षम उम्मीदवार है।कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि अगर आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को अकेले लड़ने का समय आया तो कांग्रेस इस सीट पर चुनाव लड़ेगी।

लाडकी बहीण योजना को लेकर विपक्षी दलों की ओर से उठा अफवाहों का बाजार : सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे

योजना को लेकर विपक्षी जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं

दोपहर संवाददाता । पालघर

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना शुरू होने के बाद सरकार सिर्फ पांच महीने में 2 करोड 30 लाख बहनों तक पहुंची। शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे जी ने आलोचना करते हुए कहा कि विपक्षियों ने इस योजना को लेकर अफवाहों का बाजार शुरू कर दिया है। सांसद डॉ. शिंदे ने रविवार को जनसंवाद यात्रा के दौरान पालघर और बोईसर विधानसभा क्षेत्रों की समीक्षा की, उस दौरान आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस मे उन्होंने बयान दिया।

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना में 2 करोड़ 30 लाख बहनों ने अपने खाते में पांच महीने तक 7500 रुपये जमा किये हैं। इस योजना से बहनों की दिवाली और भी मधुर हो जाएगी। हालांकि, विपक्षी इस योजना को रोकने के लिए अदालत में चले गए। कुछ लोग कह रहे हैं कि सरकार बदलते ही 11 दिन के अंदर यह योजना बंद हो जाएगी। कांग्रेस ने इस योजना को सार्वजनिक रूप से शामिल किया है। बहनों, भाइयों, किसानों ने अपनी सरकार में किसी को सक्षम नहीं किया। पिछले दो साल से उन्होंने सरकार को कोसने का काम किया है। इसके विपरीत राज्य की करोड़ों महिलाओं में मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के प्रति स्नेह की भावना जगी है। सरकार लेक लाडकी, लाडका भाऊ, किसानों के लिए योजनाएं लेकर आयी।

हालांकि आचार संहिता लागू हो गई है, लेकिन इसका सीधा असर सब्सिडी वाली योजनाओं पर नहीं पड़ता है। विरोधी लेक लाडकी

योजना के कारण झटका लगने की वजह से घबराकर योजना के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि आचार संहिता खत्म होने के बाद लाडकी बहीण योजना का दिसंबर माह के पैसे भुगतान कर दिया जायेगा। लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने जाति और धर्म के बीच दरार पैदा करने का काम किया। लेकिन हरियाणा में मतदाताओं ने उनके इरादों पर पानी फेर दिया. महाराष्ट्र में महायुति की सरकार.डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के विचारों को लेकर आगे बढ़ रही हैं। इंदु मिल में डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का भव्य स्मारक बनाया जा रहा है। बौद्ध समुदाय के लिए काम करने वाले सामाजिक संगठनों को 10 लाख की सब्सिडी देने का फैसला किया गया। ये संस्थाएं पांच बार अनुदान ले सकती हैं। सरकार हर तालुका में एक संविधान भवन का निर्माण करेगी। सरकार ने संविधान दिवस की शुरुआत की। सांसद डॉ. शिंदे ने कहा कि विरोधियों का फेक नेरेटिव्ह अब नहीं चलेगा।

महायुति में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। यह सरकार जनता के लिए काम कर रही है। वहीं दूसरी ओर महाविकास अघाड़ी में आए दिन कोई न कोई उठकर मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने की मांग कर रहा है. कुछ लोग इस के लिए दिल्ली भी गए थे, डॉ. शिंदे जी उबाठा को फटकार लगाते हुए कहा।

सांसद डॉ. शिंदे ने कहा कि आज जनसंवाद यात्रा के मौके पर पालघर में दौरा है और पालघर और बोईसर विधानसभा क्षेत्रों की समीक्षा की गई। इससे पहले जनसंवाद यात्रा के जरिए उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिम महाराष्ट्र, विदर्भ, मराठवाड़ा, कोंकण और मुंबई के 50 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों की समीक्षा की गई थी। कल नांदेड़ और हिंगोली में जनसंवाद यात्रा है। इस यात्रा के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जन समस्याओं पर शिवसेना पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई. इससे मुख्यमंत्री जी ने राज्य स्तर पर कई बड़े फैसले लिये। डॉ. शिंदे जी ने कहा कि ग्राम रोजगार सेवक, कंप्यूटर ऑपरेटर और कोतवाल के वेतन संबंधी मामले का समाधान कर लिया गया है।

सीट बंटवारे को लेकर सांसद डॉ. शिंदे ने कहा कि महायुति सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सभी पार्टियां ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल करने की पूरी कोशिश करेंगी। उन्होंने कहा कि पालघर जिले से उम्मीदवार के बारे में मुख्यमंत्री फैसला लेंगे। सांसद डॉ. शिंदे ने इस समय कहा कि मुख्यमंत्री ने जालना में श्रीकांत पांगारकर की नियुक्ति को निलंबित करने का आदेश दिया है।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर सरकारी कर्मचारी से 8 लाख की धोखाधड़ी

दोपहर संवाददाता । भुसावल

भुसावल तहसील के साकेगांव में एक सरकारी कर्मचारी से ठगों से शेयर बाजार में निवेश के नाम पर कई लाख रुपए की धोखाधड़ी की। ठगों ने सरकारी कर्मचारी से लगभग 8 लाख से ज्यादा रुपए लूट लिए। ठगों से 6 से 18 अक्टूबर के बीच घटना को अंजाम दिया। पीड़ित ने इस मामले में जलगांव साइबर पुलिस स्टेशन में 3 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

व्हाट्सएप के माध्यम से किया संपर्क

पुलिस के एक अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार भुसावल तहसील के साकेगांव निवासी एक व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी की यह घटना हुई। पीड़ित मुंबई में सरकारी कर्मचारी के तौर पर कार्यरत है। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले वे छुट्टी लेकर गांव आए थे। इसी दौरान 3 अज्ञात लोगों ने व्हाट्सएप के माध्यम से उनसे संपर्क किया और एक लिंक भेजकर उन्हें टेलीग्राम पर जोड़ा।

147 कोपरी पाचपखाडी विधानसभा मतदान केंद्रों पर टेलीफोन व टोल फ्री नंबर शुरू

दोपहर संवाददाता । ठाणे

भारत चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर से विधानसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता लागू कर दिया है। वहीं 147 कोपरी पाचपाखाडी विधानसभा कार्य क्षेत्र के अंतर्गत मतदाताओं को शिकायत दर्ज कराने के लिए 147 कोपरी पाचपाखाडी विधानसभा मध्यवर्ती मतदान

केंद्र के नियंत्रण कक्ष (2447) तैयार किया गया है। उस कमरे में टेलीफोन नंबर 022-20812836 व 1800220021 टोल फ्री नंबर शुरू किया गया है। यह जानकारी 147 कोपरी पाचपाखाडी विधानसभा क्षेत्र के सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी मिलिंद मुंढे ने दिया।

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार संतोष ही असली संपत्ति है :अल्फ्रेड नोबेल

5 सीटें जहां बरसों से लड़ती आ रही शिवसेना, अब शिंदे गुट ने BJP के लिए दे दी 'कुर्बानी'

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति में उम्मीदवारों की घोषणा के मामले में बीजेपी ने बाजी मार ली है। पार्टी ने 20 अक्टूबर को अपने 99 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसमें कई सीटें ऐसी हैं जहां पिछली बार शिवसेना ने चुनाव लड़ा था। वहीं इस बार ये सीटें एकनाथ शिंदे की शिवसेना को छोड़नी पड़ी हैं। दरअसल, बीजेपी ने जो अपनी लिस्ट जारी की है उसमें पांच ऐसी सीटें हैं, जिनपर शिवसेना वर्षों से लड़ती आ रही है। अब इन पर अगर शिवसेना यूबीटी अपने उम्मीदवार उतारती है तो यहां सीधा मुकाबला बीजेपी और उद्धव ठाकरे गुट के बीच होगा। धुले से 2019 में शिवसेना के हिलाल माली धुले शहर से उम्मीदवार थे, जबकि इस बार इस सीट से बीजेपी ने अनूप अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। अचलपूर से 2019 इस सीट से सुनीता फिस्के शिवसेना की उम्मीदवार थीं। इस बार यहां से अतुल तायडे को बीजेपी ने उम्मीदवार बनाया है।देवळी से 2024 सीट से बीजेपी ने राजेश बकाने को उम्मीदवार बनाया है। नालासोपारा विधानसभा सीट से 2019 में शिवसेना के प्रदीप शर्मा उम्मीदवार थे, वहीं इस बार बीजेपी के राजन नाइक यहां से प्रत्याशी हैं। उरण में 2019 में शिवसेना के मनोहर भोईर उम्मीदवार थे, अब यहां से बीजेपी ने महेश बाल्दी को उम्मीदवार बनाया है। दिलचस्प बात यह है कि नालासोपारा में कोई भी बीजेपी विधायक या बीजेपी समर्थित निर्दलीय विधायक निर्वाचित नहीं होने के बावजूद बीजेपी ने इस निर्वाचन क्षेत्र में अपना उम्मीदवार दिया है। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति में अभी सिर्फ बीजेपी ने ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। अभी एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के प्रत्याशियों की सूची का इंतजार है।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में 10वीं गिरफ्तारी

मर्डर के लिए हथियार लेकर उदयपुर से मुंबई आया था

नवी मुंबई से भगवंत सिंह पकड़ा गया

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पुलिस ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 10वें आरोपी को गिरफ्तार किया है। नवी मुंबई इलाके से आरोपी भगवंत सिंह को पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि भगवंत सिंह एक आरोपी के साथ हथियार लेकर उदयपुर से मुंबई गया था। वह शुरू से ही शूटर्स और साजिशकर्ताओं के संपर्क में था। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की 15 टीमें अलग-अलग एंगल से मामले की जांच कर रही हैं। एक दिन पहले 19 अक्टूबर को पांच आरोपियों को पकड़ा गया था। पुलिस ने डोंबिवली से नितिन सप्रे,पनवेल से रामफुल चंद कनौजिया, संभाजी किशोर पारधी, प्रदीप दत्तू थोम्ब्रे और चेतन पारधी को अंबरनाथ से गिरफ्तार किया था।

ये सभी लोग मुख्य साजिशकर्ता शुभम लोनकर और मास्टरमाइंड मोहम्मद जीशान अख्तर के संपर्क में थे। ये दोनों अभी फरार हैं। कोर्ट ने सभी को 25 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड में भेज दिया है।

12 अक्टूबर की रात को बाबा सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने ली है। गैंग ने बाबा के मर्डर का कारण बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान को बताया है।

हिस्ट्रीशीटर है नितिन गौतम सप्रे

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार नितिन गौतम सप्रे हिस्ट्रीशीटर है। 2015 में एक मर्डर केस में शामिल था। इसके अलावा हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट से मामले में उसका नाम है। सप्रे पहले भी जेल में जा चुका है। फूलचंद कनौजिया भी हिस्ट्रीशीटर है। अधिकारी ने बताया कि क्राइम ब्रांच इसकी भी जांच करेगी कि क्या इन पांचों का सलमान खान के घर पर फायरिंग केस से भी कोई कनेक्शन है।

सप्रे और कनौजिया मॉड्यूल के प्रमुख सदस्य

मुंबई पुलिस के मुताबिक- आरोपियों से पूछताछ में सामने आया है कि नितिन गौतम सप्रे और फूलचंद कनौजिया इस मॉड्यूल के प्रमुख सदस्य हैं। सिद्दीकी की हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार इस मॉड्यूल ने ही शूटरों को मुहैया कराए थे।हथियारों में विदेश में बनी पिस्टल टिसास-ग्लॉक और एक देशी पिस्टल भी है।

पुलिस के मुताबिक, हथियार उत्तर भारत से लाए गए थे। मिड सितंबर में इनकी डिलीवरी की।इस मॉड्यूल ने शूटरों को पैसे और लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया। फरार आरोपी शिवकुमार गौतम और गिरफ्तार आरोपी धर्मराज कश्यप अगस्त में इस मॉड्यूल के सदस्यों के साथ थे। अधिकारी ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि क्या मॉड्यूल ने शूटरों को कर्जत (मुंबई) में फायरिंग की प्रैक्टिस में मदद की थी।

सिद्दीकी के मर्डर केस में दो मॉड्यूल शामिल

मुंबई क्राइम ब्रांच की अबतक तक जांच में सामने आया है कि बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में दो मॉड्यूल शामिल थे।इनके मेंबर जरूरत के हिसाब से काम कर रहे थे। दोनों ग्रुप के ग्राउंड लेवल का खुलासा हो चुका है। पुलिस एक लेवल ऊपर भी पहुंच चुकी है, जिसमें शुभम लोनकर और जीशान अख्तर शामिल हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद इन मॉडयूल के हाई लेवल तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

फरार शूटर्स के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

गिरफ्तार आरोपियों में हिस्ट्रीशीटर शामिल हैं, इसलिए पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या उन पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लगाया जा सकता है। इससे पहले पुलिस ने फरार शूटर गौतम, साजिशकर्ता शुभम लोनकर और मास्टरमाइंड मोहम्मद जीशान अख्तर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया।

सीएम ने जालना यूनिट के आदेश को किया रद्द

पार्टी ने श्रीकांत पंगारकार को दी थी ये जिम्मेदारी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने एक पत्र जारी कर पार्टी की जालना यूनिट के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें श्रीकांत पंगारकार को जालना विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के लिए प्रचार अभियान का काम सौंपा था। श्रीकांत पंगारकार पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड में आरोपी है और हाल ही में जमानत पर बाहर आया है। बताया जा रहा है कि श्रीकांत के पार्टी में शामिल होने के बाद से लगातार विरोध हो रहा था, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने रविवार को एक पत्र जारी कर जालना में पार्टी द्वारा (जिला स्तर पर) जारी किए गए सभी आदेशों को अमान्य करार दिया है। एकनाथ शिंदे ने ये फैसला पार्टी में उनके शामिल होने के बाद उठ रहे विरोध को ध्यान में रखते हुए लिया है। श्रीकांत पंगारकार ने पूर्व राज्य मंत्री अर्जुन खोतकर की मौजूदगी में शुक्रवार को शिंदे गुट वाली शिवसेना में शामिल हुए थे। पंगारकार को जालना विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान का काम सौंपा गया था।

भाजपा की जारी की लिस्ट में 13 महिलाओं को मौका

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने पहली सूची की घोषणा कर दी है। पहली सूची में 99 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। इनमें 13 महिलाएं शामिल हैं। अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया अशोक चव्हाण को भोकर से उम्मीदवार बनाया गया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र में बीजेपी पहली पार्टी बन गयी है, जिनसे विधानसभा चुनाव के लिए सूची जारी की है। बीजेपी की पहली लिस्ट में कुल 99 उम्मीदवारों को मौका दिया गया है। उपमुख्यमंत्रीदेवेंद्र फडणवीस नागपुर वेस्ट से अपने पारंपरिक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे और चन्द्रशेखर बावनकुले कामठी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

भोकर विधानसभा सीट से श्रीजया पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। यह श्रीजया का पहला चुनाव होगा। अब तक वह सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रही थीं, लेकिन अब वह विधानसभा में जाने की तैयारी कर रही हैं।अशोक चव्हाण ने बताया कि इस चुनाव में उन्हें जनता का समर्थन भी मिलेगा। पहले भी वह इस निर्वाचन क्षेत्र में अच्छा काम कर रही थीं और अब एक उम्मीदवार के रूप में उन्हें काम करने के लिए और अधिक ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि चव्हाण परिवार ने इस निर्वाचन क्षेत्र में 40 वर्षों से अधिक समय तक सेवा की है।

महाराष्ट्र में वोटर लिस्ट में BJP ने की बड़ी गड़बड़ी

हम अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाएंगे ये मुद्दा: संजय राउत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में अब महज एक महीने का समय रह गया है। हालांकि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन और विपक्षी एमवीए गठबंधन दोनों ने अभी तक सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप नहीं दिया है। दोनों खेमों में बैठकों का दौर जारी है। इस बीच, महाविकास आघाडी (एमवीए) ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाया है। विपक्ष का दावा है कि बीजेपी ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोटर लिस्ट (Maharashtra Voter List) में बड़ा घोटाला किया है।

विपक्षी गठबंधन एमवीए के नेताओं ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी राज्य के हर निर्वाचन क्षेत्र से कम से कम 10000 वैध वोटरों का नाम हटा रही है और फर्जी नाम जोड़ रही है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा, 'महाराष्ट्र और झारखंड में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हो रही हैं। उन्होंने हरियाणा में भी कोशिश की हमने उन्हें लोकसभा में हराया और वे विधानसभा चुनाव में भी हार रहे हैं। वे चुनाव आयोग की मदद से मतदाता सूची में गड़बड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं।'

'राष्ट्रपति शासन लगाने की कोशिश'

राज्यसभा सांसद ने आगे कहा, 'बीजेपी राज्य की लगभग 150 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है वहां वे उन लोगों को ढूंढ रहे हैं जिन्होंने एमवीए को वोट दिया है और उनके नाम फर्जी मतदाताओं से बदले जा रहे हैंये हमारे लोकतंत्र में सबसे बड़ा घोटाला चुनाव आयोग की मदद से होने जा रहा है।। हम इस मुद्दे को देश के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाएंगे और लोगों को बताएंगे कि भारत में क्या हो रहा है अमित शाह चुनाव के बाद भी महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। उद्धव ठाकरे ने रविवार को विशेष बैठक बुलाई गई और हम इस बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।'

इन क्षेत्रों में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप

वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा "यह गंभीर मुद्दा है। बीजेपी ने एक सर्वेक्षण करने और अपने गैर-मतदाताओं को चिह्नित करने के लिए कहा है फिर उन्होंने एक विशेष एप्लिकेशन लाया और नामों को पूरी तरह से हटा दिया और नए नाम लाएहम नें पाया है कि शिरडी, चंद्रपुर, अरवी, कैम्पटी, कोथरुड, गोंदिया, अकोला पूर्व, चिखली, नागपुर, कणकवली, खामगांव, चिमूर और धामनगांव रेलवे विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे हजारों वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में वोट डाला था।" महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि विधानसभा चुनाव हारने के डर से वैध वोटरों के नाम हटवाए जा रहे हैं। अन्य राज्यों के फर्जी वोटरों के नाम शामिल किए जा रहे हैं।

नागपुर में हुआ BJP का प्रशिक्षण शिविर: राउत

संजय राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने वोटर लिस्ट से वैध मतदाताओं के नाम हटवाने और फर्जी मतदाताओं के नाम शामिल करवाने का तरीका बताने के लिए नागपुर में प्रशिक्षण शिविर करवाया। इससे पहले उन्होंने कहा, 'हर विधानसभा क्षेत्र से कम से कम 10,000 वैध वोटरों के नाम हटाने की साजिश का पर्दाफाश हो चुका है। हम लोगों में जागरूकता फैलाएंगे और जरूरत पड़ने पर उन लोगों के साथ निर्वाचन कार्यालय तक विरोध मार्च निकालेंगे, जिनके नाम काटे गए हैं।"

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 124 स्टेशनों का पुनर्विकास

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा 124 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधायें और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना है। इस पुनर्विकास परियोजना में मुंबई सेंट्रल मंडल के 30 स्टेशन, वडोदरा के 18, रतलाम के 19, अहमदाबाद के 20, भावनगर के 20 और राजकोट मंडल के 17 स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ अपग्रेड किया जाएगा, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा का अनुभव बेहतर होगा और रेलवे परिचालन अधिक कुशल होगा। सूरत रेलवे स्टेशन विकसित किए जा रहे इन प्रमुख स्टेशनों में से एक है। सूरत स्टेशन को मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब (MMTH) के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो रेलवे, GSRTC सिटी बस टर्मिनल स्टेशन, मेट्रो आदि को एकीकृत करेगा, ताकि निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान की जा सके।

सूरत स्टेशन को वास्तुशिल्पीय परिवेश के साथ डिजाइन किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि संपूर्ण स्टेशन परिसर का समग्र स्वरूप और अनुभव अंतरराष्ट्रीय मानकों के व्यवसाय केंद्र जैसा हो। उपयुक्त अग्रभाग, फिनिश, रंग, सामग्री, बनावट के माध्यम से एकीकृत थीम इसकी भव्यता में वृद्धि करेगी। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक और व्यापार एवं वाणिज्य का प्रमुख केंद्र सूरत रेलवे स्टेशन यात्री आवागमन और आर्थिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र में तब्दील हो जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, सूरत स्टेशन पुनर्विकास परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 1,477 करोड़ है, जिसमें गुजरात सरकार का योगदान लगभग 481 करोड़ है, जबकि रेलवे का योगदान 996 करोड़ से अधिक है। पुनर्विकास कार्य सूरत इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (SITCO) द्वारा किया जा रहा है, जो भारतीय रेल और गुजरात सरकार के सहयोग से गठित एक स्पेशल परपज़ वेहिकल (SPV) है। इस परियोजना में स्टेशन भवन का विस्तार, प्लेटफॉर्म उन्नयन, यात्री सुविधाओं में सुधार और स्टेशन परिसर का सौंदर्यीकरण शामिल है।

स्टेशन पर 41 लिफ्ट और 70 एस्केलेटर होंगे

पुनर्विकसित सूरत स्टेशन पर विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनमें 10,900 वर्ग मीटर में फैला विशाल सभागार, लाउंज, खुदरा दुकानें और स्काईवॉक शामिल हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्लेटफॉर्म के ऊपर अतिरिक्त सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन पर 41 लिफ्ट और 70 एस्केलेटर होंगे और दिव्यांगजन यात्रियों के लिए यह पूरी तरह से सुलभ होगा। स्टेशन को प्लैटिनम रेटेड ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा, जल तथा अन्य संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित होगा।

सूरत स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है

विनीत ने आगे बताया कि सूरत स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है। स्टेशन भवन क्षेत्र के पूर्व की ओर, आरपीएफ बैरक, अस्पताल और रनिंग रूम का निर्माण पूरा हो चुका है। बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान भवन के पश्चिम की ओर एक नया यात्री होल्डिंग क्षेत्र भी बनाया गया है। इलेक्ट्रिकल इंटरलॉकिंग (EI) भवन को भी सफलतापूर्वक पूर्ण कर दिया गया है और फीडर लाइन को स्थानांतरित कर दिया गया है। जीएसआरटीसी भवन के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसमें 50% से अधिक काम पूरा हो गया है। रेलवे स्टेशन के पूर्व की ओर का काम प्रगति पर है, जिसमें राफ्ट फाउंडेशन का 100% पूरा हो गया है। इसके अलावा, रेलवे स्टेशन के कॉनकोर्स और पश्चिमी हिस्से का कार्य भी प्रगति पर है।

फेज़-II में 5।5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड नेटवर्क पर कार्य प्रगति पर है, जिसमें 2 रोड ओवर ब्रिज (ROB) होंगे। यह एलिवेटेड रोड नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत आने वाली सभी प्रमुख इमारतों को जोड़ेगा, जिसकी लागत लगभग 497 करोड़ रुपये है और इसके अगले 2।5 वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है।

पुनर्विकास के बाद सूरत रेलवे स्टेशन एक आधुनिक, यात्री-केंद्रित सुविधा के रूप में उभरेगा, जो शहर की तेज़ी से बढ़ती आबादी की ज़रूरतों को पूरा करेगा। यह परिवर्तन सूरत को एक प्रमुख यात्री और वाणिज्यिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। यह परियोजना ₹नए भारत का नया स्टेशन₹ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज़ ब्रीफ

विकास यादव के परिवार ने खारिज किए अमेरिका के सभी आरोप

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने हाल ही में पूर्व भारतीय रॉ अधिकारी विकास यादव पर खालिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था। अब विकास यादव के परिवार ने मामले पर प्रतिक्रिया दी है और साथ ही उन्होंने अमेरिका द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। यादव के परिवार ने कहा है कि अमेरिकी सरकार सच नहीं बोल रही है। विकास की 65 वर्षीय मां सुदेश यादव ने बताया कि अमेरिकी सरकार के आरोपों और मीडिया द्वारा दिखाई जा रही रिपोर्ट्स से वह सदमे में हैं। उन्होंने कहा, 'मैं क्या कह सकती हूं? मुझे नहीं पता कि अमेरिकी सरकार सच बोल रही है या नहीं। वह देश के लिए काम कर रहा है।' हरियाणा के प्राणपुरा में रहने वाले यादव के चेहरे भाई अविनाश यादव ने रॉयटर्स को बताया कि विकास ने उससे बात की और कहा कि उसपर लगाए गए सभी आरोप गलत है। उन्होंने आगे कहा, 'परिवार को उसके जासूसी एजेंसी के लिए काम करने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उसने कभी इस बारे में कुछ नहीं बताया।'

मशहूर शायर फहमी बदायूंनी का 72 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। मशहूर शायर फहमी बदायूंनी साहब के निधन से शोक की लहर दौड़ गई है. सोशल मीडिया पर लोग उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दे रहे हैं। कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने एक्स पर उन्हें याद करते हुए लिखा, अलविदा फहमी बदायूंनी साहब, आपका जाना उर्दू अदब का बड़ा नुकसान है, सोचा था जल्द ही किसी महफिल में आपको जी भर कर सुना जायेगा लेकिन आज ये अफसोसनाक खबर आ गई, खुदा आपको जन्नत नसीब करे। फहमी बदायूंनी का जन्म उत्तर प्रदेश के बदायूं में 4 जनवरी 1952 को हुआ था। कम उम्र में ही उन्हें लेखापाल की नौकरी लगी, लेकिन कुछ ही दिनों में उन्होंने नौकरी छोड़ दी। मशहूर शायर बदायूंनी को विज्ञान और गणित विषय की अच्छी जानकारी थी। एक शख्स ने एक्स पर बदायूंनी को याद करते हुए लिखा, सहल-ए-मुमताना के सच्चे उस्ताद, प्रसिद्ध उर्दू शायर फहमी बदायूंनी के निधन से बहुत दुख हुआ। उनके शब्दों ने सरल अभिव्यक्ति में गहरी भावनाओं को सहजता से व्यक्त किया, जिसने उर्दू साहित्य पर एक अमिट छाप छोड़ी। साहित्य जगत के लिए एक बड़ी क्षति। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

पाकिस्तान में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म, सरकार कर रही इनकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अक्टूबर महीने में पंजाब कॉलेज की एक फर्स्ट ईयर स्टूडेंट के साथ कॉलेज के गार्ड और ड्राइवर ने सामूहिक बलात्कार किया और जब इस घटना का विरोध करने के लिए छात्र और छात्राएं सड़कों पर उतरे, तो सरकार ने उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की। स्टूडेंट्स को पीटा गया, एक स्टूडेंट की मौत भी हुई। पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं आम हैं, लेकिन पाकिस्तान जैसे देश में महिलाओं को ना तो बराबरी का दर्जा हासिल है और ना ही उन्हें अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने की स्वतंत्रता ही है। दुष्कर्म की घटना का विरोध कर रहे लोगों पर वहां की सरकार ने अत्यधिक बल प्रयोग किया है, ताकि इस घिनौने कृत्य को छिपाया जा सके। bnरेप के बाद घटना मीडिया में भी नहीं आई, जबकि कॉलेज एक मीडियाकर्मी द्वारा ही संचालित है।

पीएम मोदी ने देशवासियों को दिया 6100 करोड़ का दिवाली गिफ्ट

विभिन्न परियोजनाओं को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को दीपावली की सौगात देने के लिए रविवार यानी 20 अक्टूबर को वाराणसी पहुंचे। बता दें, तीसरी बार वाराणसी से सांसद और प्रधानमंत्री बनने के बाद काशी के लोगों को पीएम मोदी विकास की परियोजनाओं की सौगात दिए। काशी से पीएम मोदी 6,611.18 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर देशवासियों को दीवाली गिफ्ट दिए।

पीएम मोदी ने वाराणसी के कांची मठ द्वारा

संचालित आरजे शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन किया। कांची मठ से जुड़े लोगों के अनुसार, इस अस्पताल से पूर्वी उत्तर प्रदेश के 20 जिलों के साथ-साथ बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को भी फायदा होगा। ठीक इसके बाद पीएम मोदी ने बाद में सिगरा क्षेत्र में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपए की 23 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। वाराणसी के लिए 3,200 करोड़ रुपए से अधिक की 16 विकास परियोजनाएं निर्धारित की गई हैं। प्रधानमंत्री ने वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे के विस्तार और नए टर्मिनल भवन के निर्माण की आधारशिला रखी, जिसका अनुमानित खर्च लगभग 2,870 करोड़ रुपए है।

वाराणसी में धानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज काशी के लिए बहुत ही शुभ दिन है। मैं अभी-अभी एक बड़े नेत्र अस्पताल का उद्घाटन करके आया हूं। आरजे शंकर नेत्र अस्पताल बुजुर्गों और बच्चों की मदद करने वाला है। बाबा के आशीर्वाद से यहा हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इसके साथ ही आज उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया है। मौजूदा समय में वाराणसी को हर एक क्षेत्र में (शिक्षा, कौशल विकास, खेल, स्वास्थ्य और पर्यटन) परियोजनाएं मिली हैं। ये सभी परियोजनाएं हमारे युवाओं के लिए सुविधाओं के साथ-साथ रोजगार के कई नए अवसर भी लेकर आई है।

परियोजनाओं के नाम	लागत (करोड़ रु.)
वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, सिगरा का पुनर्विकास	216.29
सारनाथ में पर्यटन पुनर्विकास कार्य	90.20
सीपेट परिसर, करसड़ा में छात्रावास का निर्माण	13.78
डा. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, लालपुर में छात्रावास व पब्लिक पवेलियन का निर्माण	12.99
वाराणसी में 20 पार्कों का सौंदर्यीकरण व पुनर्विकास कार्य	7.85
महिला आई.टी.आई. चौकाघाट व आई.टी.आई. करौंदी में हाई-टेक लैब का निर्माण	7.08
सेंट्रल जेल, वाराणसी में बैरकों का निर्माण कार्य	6.67
सीपेट परिसर, करसड़ा में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र का निर्माण	6.00
बाणासुर मंदिर एवं गुरुधाम मंदिर में पर्यटन विकास कार्य	6.02
सेन्ट्रल जेल, वाराणसी में 48 कर्मचारी आवास का निर्माण कार्य	5.16
टाउन हाल शापिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य	2.51
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भरथरा में आवासीय भवनों का निर्माण कार्य	2.16
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चिरईगांव का निर्माण कार्य	1.93
ककरमत्ता फ्लाइओवर के नीचे एक्टिविटी जोन एवं पार्किंग का निर्माण कार्य	1.49
शिलान्यास की गई परियोजनाएं	**लागत (करोड़ रुपए)**
श्री लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का विस्तारीकरण, नए टर्मिनल भवन का निर्माण	2870
कस्तूरबा गांधी विद्यालय आराजीलाइन में एकेडमिक ब्लॉक व गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण	4.17
अन्य जिलों व प्रदेशों की लोकार्पण और शिलान्यास की गई परियोजनाएं	**लागत (करोड़ रुपए)**
रीवा एयरपोर्ट का नए टर्मिनल भवन का निर्माण	91
मां महामाया एयरपोर्ट, अंबिकापुर के नए टर्मिनल भवन का निर्माण	80.32
सरसावा एयरपोर्ट में 'ए' सिविल इन्क्लेव का निर्माण	54.56
शिलान्यास की गई अन्य परियोजनाएं	**लागत (करोड़ रुपए)**
बागडोगरा एयरपोर्ट में नए सिविल इन्क्लेव का निर्माण	1550
दरभंगा एयरपोर्ट में नए सिविल इन्क्लेव का निर्माण	912
आगरा एयरपोर्ट में नए सिविल एन्क्लेव का निर्माण	579

CM आतिशी का दावा : BJP की गंदी राजनीति की वजह से दिल्ली में बढ़ रहा प्रदूषण

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में हवा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। लोगों का जहरीली हवा में सासं लेना भी मुश्किल हो रहा है। दीवाली से पहले ही राजधानी में प्रदूषण ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। ऐसे में आने वाले दिनों की स्थिति के बारे में सोचकर लोग परेशान हैं। इस बीच दिल्ली सरकार का दावा है कि दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण की बड़ी वजह बीजेपी की गंदी राजनीति है। सीएम आतिशी ने कहा कि दिल्ली की हवा और पानी में प्रदूषण बीजेपी की गंदी राजनीति की वजह से बढ रहा है। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि आनंद विहार में प्रदूषण बढ़ने की बड़ी वजह उत्तर प्रदेश से आ रही बसे हैं। दरअसल आज दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और पर्यावरण मंत्री प्रदूषण की स्थिति का जायजा के लिए आनंद विहार इलाके में गए थे। यहां आज सुबह 8.30 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स 454 दर्ज किया गया था।

बसें बढ़ा रहीं प्रदूषण

इसी दौरान सीएम आतिशी ने कहा कि आनंद विहार इलाके में खराब एयर क्वालिटी का प्रमुख कारण उत्तर प्रदेश से आने वाली बसें हैं और इस पर यूपी सरकार से चर्चा की जरूरत है। वहीं गोपाल राय ने भी इस बार पर जोर देते हुए दावा किया कि इन बसों के धुआं दिल्ली का प्रदूषण दुगना हो रहा है। वहीं प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण विरोधी उपायों को सख्ती से लागू किया जा रहा है और धूल नियंत्रण उपायों के लिए टीमों का गठन किया गया है।

यमुना नदी में भी बढ़ रहा प्रदूषण

सीएम आतिशी ने कहा, हमने 99 टीमें बनाई हैं जो पूरी दिल्ली में धूल नियंत्रण के उपाय कर रही हैं। हमने 325 से अधिक स्मॉग गन तैनात करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए PWD और MCD ने अपने सभी संसाधन तैनात कर दिए हैं। आनंद विहार, दिल्ली और यूपी की सीमा पर होने के कारण, एक ऐसा हॉटस्पॉट है जहां AQI सबसे ज्यादा है। इसके अलावा उन्होंने यमुना नदी के जहरीले सफेद झागों के मुद्दे पर भी बात की और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सिर्फ वायु प्रदूषण ही नहीं, पिछले कुछ दिनों से यमुना नदी में भी प्रदूषण बढ़ रहा है और इसके लिए मुख्य कारण बीजेपी की गंदी राजनीति है। उन्होंने कहा, पराली जलाने की घटनाओं को कम करने के लिए पंजाब में AAP सरकार ने दो साल तक काफी कोशिशें की हैं। पिछले साल पंजाब में पराली जलाना आधा कर दिया गया। उधर हरियाणा के आंकड़ों पर नजर डालें तो खेतों में आग लगने की घटनाओं में 23% की बढ़ोतरी हुई है। यूपी में खेतों में आग लगने की घटनाएं 70% बढ़ीं है।

डीजल से चलती हैं यूपी-हरियाणा से आने वाली बसें

उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा AQI रिकॉर्ड करने वाले आनंद विहार में बसों को देखें तो दिल्ली की सभी बसें CNG या बिजली से चलती हैं। लेकिन अगर हम यूपी और हरियाणा से आने वाली बसों को देखें तो वो डीजल से चलती हैं। आनंद विहार इलाके में दिख रहे प्रदूषण का एक अहम कारण यूपी से आने वाली हजारों डीजल से चलने वाली बसें हैं। एक तरफ जहां दिल्ली सरकार ने सीएनजी बसों की लाइन खड़ी कर दी8 वहीं हरियाणा और यूपी सरकारें अपने बेड़े में सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसें क्यों नहीं ला सकतीं?

दिवाली से पहले दहलाने की आतंकी साजिश?

प्रशांत विहार में CRPF स्कूल के पास धमाका, मौके पर पहुंचा बम निरोधक दस्ता

एजेंसी । नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके स्थित सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए धमाके के बाद से लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। इस घटना के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और स्थिति की जांच शुरू कर दी। मौके पर डॉग स्क्वायड, बम स्क्वायड और आईजीएल की टीम पहुंची है। टीमों ने घटनास्थल का विस्तृत निरीक्षण किया और संभावित विस्फोटक सामग्री की खोज शुरू की। स्थानीय पुलिस ने भी आसपास के क्षेत्र को घेर लिया है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच की जा रही है। धमाके की गूंज इतनी तेज थी कि इससे स्थानीय निवासियों में हड़कंप मच गया था। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और आवश्यक कदम उठाने शुरू किए।

धमाके में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, धमाके में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन स्थानीय निवासियों ने चिंता व्यक्त की है। लोगों ने सुरक्षा को लेकर सवाल उठाया है। इस घटना के बाद, प्रशांत विहार क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सभी सुरक्षा एजेंसियां अपनी जांच में तेजी ला रही हैं। धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है।

पहुंचा बम निरोधक दस्ता

रोहिणी डीसीपी अमित गोयल ने कहा कि धमाके की वजह जानने के लिए एक्सपर्ट्स को बुलाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमाका किस प्रकार का था। उन्होंने आगे कहा कि विशेषज्ञ की टीम घटना की विस्तृत जांच कर रही है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट होगी।

प्रशांत विहार में CRPF स्कूल के पास मिली धमाके की सूचना

दमकल विभाग ने बताया कि रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर धमाके की सूचना मिली है। सुबह करीब 7:50 बजे दमकल विभाग को इस घटना की जानकारी मिली थी, जिसके बाद 2 दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। हालांकि, अभी तक आग लगने या दीवार को नुकसान पहुंचने की कोई सूचना नहीं मिली है।

डोनाल्ड ट्रंप ने मतदाताओं को डराया

कहा- अमेरिका पर प्रवासियों ने कब्जा कर लिया, 5 नवंबर को मिलेगी आज़ादी

एजेंसी । न्यूयॉर्क

अमरीकी चुनाव के दो सप्ताह शेष हैं। पूरी दुनिया की नजरें इन चुनावों पर लगी हुई हैं। 5 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा प्रवासी ही हैं और इसी मुद्दे की वजह से उन्हें चुनाव में 2016 की ही तरह जीत हासिल होगी। इतना ही नहीं, ट्रंप ने इस मुद्दे को हर मंच से जोर-शोर से उठाना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने एक हालिया वीडियो संदेश में कहा है कि अमरीका पर प्रवासियों ने कब्जा कर लिया है और 5 नवंबर को अमरीका इनसे आजादी हासिल कर लेगा। ट्रंप ने यह भी घोषणा कर दी है कि अर्थव्यस्था के मुद्दे पर भी प्रवासियों का मुद्दा भारी पड़ेगा। इतना ही नहीं,

डोनाल्ड ट्रंप अपनी सभी रैलियों की शुरुआत अब इसी तरह से कर रहे हैं। उनकी चुनावी रैली में एक बड़ी स्क्रीन होती है, जहां ट्रंप जमा भीड़ का अभिवादन कर इस स्क्रीन की ओर मुखातिब होते हैं। इस स्क्रीन पर सबसे पहले एक-दो मिनट तक अमरीकी बॉर्डर पर अमरीका में घुसने के लिए जमा प्रवासियों के दृश्य होते हैं, अमरीका में प्रवासियों की बढ़ती संख्या से जुड़ी खबरें होती हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले BJP को लगा एक और झटका

बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी सह एसटी मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश महली ने छोड़ी पार्टी

एजेंसी । सरायकेला

झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद से ही भाजपा में भगदड़ मच गयी है। पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं ने एक-एक कर पार्टी छोड़नी शुरू कर दी है। अब सरायकेला विधानसभा से बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी सह एसटी मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश महली ने अपना इस्तीफा दे दिया है। चर्चा है कि अब वे सरायकेला से झामुमो के प्रत्याशी होंगे। पार्टी छोड़ने के बाद उन्होंने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अब बीजेपी पहले की तरह नहीं रही। इससे पहले पोटका विधानसभा से पूर्व विधायक मेनका सरदार ने भी बीजेपी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।

महली बोले- दुखी मन से दे रहा हूं इस्तीफा

इस्तीफा देने के बाद गणेश महली ने कहा कि बीजेपी अब पहले जैसी नहीं रही। मैं दुखी होकर त्याग पत्र दे रहा हूं। शनिवार को प्रत्याशियों की घोषणा होने के बाद से ही उन्होंने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया था। उन्होंने चंपाई सोरेन पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा था कि वे दिल्ली जाकर उनकी राह में रोड़ा डालने का काम किया। हमें राजनीति से आउट करना चाहते थे। इसका परिणाम आने वाले दिनों में जरूर दिखेगा।

मेनका सरदार ने भी पार्टी से दे दिया था इस्तीफा

इससे पहले शनिवार को पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार ने भी बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। बता दें कि साल 2019 के चुनाव में वे झामुमो के संजीव सरदार से चुनाव हार गयी थी। कुछ दिन पहले ही जमुआ से वर्तमान विधायक केदार हाजरा ने भी बीजेपी का दामन छोड़ झामुमो की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। उनके साथ आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष उमकांत रजक ने भी झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ली थी।

भाजपा नेता के घर आएगी पाकिस्तान की बहू

जौनपुर में हुई अनोखी शादी, लाइव चल रहा था शादी का कार्यक्रम

एजेंसी । जौनपुर

किसी के घर बहू आना कोई नई बात नहीं, लेकिन नेता बीजेपी का हो और बहू पाकिस्तान की तो यह मामला दिलचस्प हो जाता है। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले से एक ऐसा ही मामला सामने आया है। इस मामले में दोहरी दिलचस्प बात यह है कि यह निकाह ऑनलाइन हुआ। भारत में बैठा दूल्हा शादी की नियमों का पालन कर रहा था, तो वहीं पाकिस्तान के लाहौर में बैठी दुल्हन क़ाज़ी के सामने निकाह को कबूल करते हुए नजर आई। भारत और पाकिस्तान दोनों ही जगह पर बड़े-बड़े टीवी स्क्रीन लगे हुए थे। शादी का यह कार्यक्रम लाइव चल रहा था। जौनपुर से बारात लेकर दूल्हे मियां लाहौर के लिए निकलने वाले थे लेकिन शादी के दिन तक उन्हें वीजा ही नहीं मिला। वहीं पाकिस्तान के लाहौर में मौजूद दुल्हन की मां की तबीयत अचानक खराब हो गई। शादी के कुछ दिन पहले उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया। इसी वजह से शादी को ऑनलाइन संपन्न करने का सुझाव दोनों ही परिवार ने स्वीकार किया और तय समय पर ऑनलाइन निकाह पूरा हुआ। वीजा मिलते ही दुल्हन अपने ससुराल आएगी।

पाकिस्तानी लड़की से जौनपुर में ऑनलाइन शादी

बीते शुक्रवार की रात को जौनपुर के इमामबाड़ा इलाके में कल्लू मरहूम में सैकड़ो बाराती इकट्ठा हुए, तो वहीं दूसरी तरफ लाहौर में भी अंदलीब ज़हरा के परिवार और रिश्तेदार जमा हुए। दोनों ही जगह लगी टीवी स्क्रीन पर ऑनलाइन निकाह संपन्न कराया गया। यह शादी अपने आप में अनोखी शादी है और दूल्हे के पिता भाजपा के नेता हैं, तो ऐसे में पाकिस्तान से उनकी दुल्हन आ रही है, इसको लेकर लोगों में कौतूहल भी बना हुआ है। वैसे यह तो हकीकत है कि राजनीतिक तौर पर दोनों देशों के रिश्ते भले खराब हों, लेकिन दोनों ही देश के लोगों के दिलों के रिश्ते बेहद मजबूत है। परिवार का हर सदस्य मोदी सरकार से यह उम्मीद लगाए बैठा है कि पाकिस्तान के साथ अटल बिहारी वाजपेई के समय का रिश्ता कायम किया जाए।

4 सीटों पर महागठबंधन ने घोषित किए प्रत्याशी

जानें किसे कहां से दिया टिकट, चारों सीटों पर जीत का दावा

एजेंसी । नई दिल्ली

बिहार में चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए महागठबंधन ने रविवार को अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। चार सीटों में से तीन सीट पर राजद (RJD) ने और एक सीट पर भाकपा माले ने अपना प्रत्याशी उतारा है। भोजपुर के तरारी से माले प्रत्याशी राजू यादव, गया के बेलागंज से RJD प्रत्याशी विश्वनाथ कुमार सिंह, इमामगंज से आरजेडी प्रत्याशी रौशन कुमार मांझी और कैमूर के रामगढ़ से आरजेडी प्रत्याशी अजीत कुमार को टिकट दिया गया है। आरजेडी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है। इस दौरान आरजेडी के प्रदेशाध्यक्ष जगदानंद सिंह, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डॉ अखिलेश सिंह और वीआईपी नेता भी मौजूद रहे। महागठबंधन ने सभी चारों सीटों पर जीत का दावा भी किया है। अजीत कुमार जिन्हें रामगढ़ से प्रत्याशी बनाया है वो आरजेडी प्रदेशाध्यक्ष जगदानंद सिंह के छोटे बेटे हैं।

वहीं बेलागंज से प्रत्याशी बने विश्वनाथ कुमार सुरेंद्र यादव के बेटे हैं। दोनों ही आरजेडी से ताल्लुक रखते हैं। बता दें कि बिहार की चार सीटों पर उपचुनाव के लिए एनडीए भी अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी ने इमामगंज सीट से अपनी बहू दीपा मांझी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं जेडीयू ने बेलागंज से मनोरमा देवी को टिकट दिया है। तरारी और रामगढ़ से बीजेपी के प्रत्याशी होंगे। बीजेपी ने तरारी से विशाल प्रशांत को और रामगढ़ से अशोक कुमार सिंह को टिकट दिया है।

किस घर आएगी

संपादकीय

प्रतीकों में उलझी न्यायपालिका

प्रतीकों के खेल में अब तक इस देश की राजनीति ही उलझी हुई थी, अफसोस है कि अब न्यायपालिका भी इसका हिस्सा बन गई है। न्याय की देवी की मूर्ति में जो फेरबदल किए गए और इसके पीछे जो तर्क दिए गए, वो इस बात का प्रमाण हैं कि न्याय व्यवस्था को त्रुटिहीन और पूरी तरह से दुरुस्त करने की कोशिश की जगह भावनात्मक बातों को अधिक महत्व दिया जा रहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में न्याय की देवी की नयी मूर्ति लगायी गयी है। देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर नयी मूर्ति बनी है, जिसमें पुरानी मूर्ति से अलग वेशभूषा और प्रतीक बने हैं। सफेद रंग की मूर्ति में आंखों से पट्टी हटा दी गई है, उसका परिधान भारतीय कर दिया गया है और हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब दी गई है। कहा जा रहा है कि इस बदलाव से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि कानून अंधा नहीं होता। तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में लिखा है - जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। अर्थात हम अपनी भावनाओं और नजरिए के अनुरूप ही चीजों को देखते और परखते हैं। आंख पर पट्टी होने को अंधत्व से भी जोड़ा जा सकता है और निष्पक्षता से भी। 1983 से में अमिताभ बच्चन, रजनीकांत और हेमा मालिनी की फिल्म आई थी अंधा कानून। जिसमें दिखाया गया है कि अमिताभ बच्चन याने नायक को एक ऐसे जुर्म की सजा होती है, जो उसने किया ही नहीं, उसके परिवार को भी अत्याचार का शिकार बनाया जाता है और उसके बाद फिल्म में बार-बार ये अंधा कानून है, गीत पार्श्व में बजता रहता है और न्याय देवी की मूर्ति भी दिखाई जाती है, जिसकी आंखों पर पट्टी बंधी है। कानून के अंधे होने की धारणा को फिल्म के जरिए समाज में और मजबूत किया गया। और अब करीब 4 दशक बाद एक प्रचलित धारणा के अनुरूप फैसला लिया गया है। समझा जा सकता है कि देश में हाल के वर्षों में हुए कई बदलावों के पीछे कई बरसों की कोशिश रही है। नेहरू संग्रहालय को पीएम म्यूजियम में बदलना, इंडिया गेट पर नेता जी की मूर्ति, जम्मू-कश्मीर से 370 की वापसी, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, संसद में सेंगोल की स्थापना या इंडियन पीनल कोड, आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, बीएनएस का लागू होना, ऐसे ही फैसलों की चंद मिसाल हैं। अभी आने वाले वर्षों में अगर हम भारतीय मुद्रा पर गांधीजी की जगह किसी और की तस्वीर देखें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अब तक न्याय की जो मूर्ति देश में हुआ करती थी, वो यूनानी देवी जस्टिया की तरह होती थीं, जिनके नाम पर ही जस्टिस यानी न्याय शब्द बना है। इस मूर्ति की आंखों पर पट्टी का मतलब था कि कानून किसी का ओहदा, धर्म, जाति न देखकर सबके साथ एक जैसा व्यवहार करता है। वहीं अभी जिस तलवार को हिंसा का प्रतीक बताकर हटाया गया है, दरअसल उसके जरिए यह संप्रेषित किया गया था कि कानून के पास ताकत है और वो गलत करने वालों को सजा दे सकता है। पुरानी मूर्ति में तराजू भी देवी के एक हाथ में होता था, वो नयी मूर्ति में बरकरार रखा गया है। जो यह दिखाता है कि अदालत में कोई भी फैसला तर्क की तुला पर ही किया जाएगा। नयी मूर्ति में तराजू अब भी रखा गया है, यह गनीमत है, वर्ना इसे भी किसी आधुनिक डिवाइस से बदला जा सकता था कि तराजू की जगह तौलने-मापने के आधुनिक साधन हमारे पास उपलब्ध हैं। वैसे न्याय की मूर्ति में तब्दीली आने के साथ ही एक खबर आई है, कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने एक फ़ैसले में कहा है कि मस्जिद में भगवान राम की प्रशंसा में नारे लगाने में कुछ ग़लत नहीं है। देश किस तरफ बढ़ चुका है, यह अब साफ नजर आ रहा है।

राजनीतिक असंवेदनशीलता से बढ़ता स्वास्थ्य जोखिम

ज्ञानेन्द्र रावत

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ गंभीर समस्या बन चुके हैं, और इस पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी चिंता जताई है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए गठित विशेष कार्यबल की बैठक में कचरे के निपटान में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर कचरा निपटान के लिए मौजूदा कानूनों के सख्त अनुपालन और कचरे से बिजली बनाने की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही, सड़कों और निर्माण गतिविधियों में धूल नियंत्रण के उपायों को भी प्राथमिकता देने की बात की गई।

वास्तव में स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में वर्षों से जमा कूड़े के ढेरों को समाप्त करना था, जो अब पहाड़ की शक्ल ले चुके हैं। यह मिशन 2 अक्तूबर, 2014 को शुरू हुआ, और एक महत्वपूर्ण पड़ाव 1 अक्तूबर 2021 को आया जब एसबीएम-2.0 की शुरुआत हुई। इस योजना के तहत कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया, और यह सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में ऐसी समस्याएं न उभरें।

केंद्र सरकार ने कूड़े के ढेरों को समाप्त करने के लिए 3000 करोड़ रुपये से अधिक की योजना शुरू की थी, जिसमें राज्यों से सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की गई थी। हालांकि, राजनीतिक दांवपेच के चलते इन कूड़े के पहाड़ों का निवारण अब तक नहीं हो सका है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में केवल 15 फीसदी कूड़े के पहाड़ कम हो पाए हैं, जिसकी आवास और शहरी विकास मंत्रालय द्वारा भी पुष्टि की गई है। यह स्थिति समस्या के समाधान में अनिच्छा और समन्वय की कमी को दर्शाती है।

देश में 2,421 कूड़ाघर हैं, जहां 1,000 टन से अधिक ठोस कचरा जमा है। आवास और शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, कूड़े के पहाड़ों में लगभग 15,000 एकड़ जमीन पर 16 करोड़ टन से ज्यादा कचरा फंसा है, जिसका निस्तारण एक बड़ी चुनौती है। प्रयासों के बावजूद, केवल 470 स्थानों को पूरी तरह साफ किया जा सका है, जबकि 730 साइटें अभी तक निस्तारण की प्रक्रिया से बाहर हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि नगर निकायों के पास कचरे के निस्तारण की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है।

कुछ राज्यों की बात करें तो इस मामले में गुजरात शीर्ष पर है, जहां 202 लाख टन ठोस कचरे में से केवल 10.73 लाख टन कचरे का ही वहां निस्तारण होना बाकी है। जबकि देश की राजधानी दिल्ली में 203 लाख टन ठोस कचरे में से 126.02 लाख

टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। महाराष्ट्र में 388 लाख टन में से 242 लाख टन, पंजाब में 73.62 लाख टन में से 37.73 लाख टन, मध्य प्रदेश में 63.23 लाख टन में से 47.68 लाख टन, जम्मू-कश्मीर में 22.10 लाख टन में से 21.08 लाख टन, उत्तराखंड में 14.12 लाख टन में से 7.36 लाख टन और छत्तीसगढ़ में 6.54 लाख टन में से 0.52 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार 1,250 डंप साइटों में कूड़ा निस्तारण का काम पिछले दिनों शुरू कर दिया गया है।

राजधानी दिल्ली में लाख कोशिशों के बावजूद कूड़े के पहाड़ खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यहां चार बार तो समय सीमा भी बदली जा चुकी है। सरकार, नगर निगम के बीच दांवपेच के चलते अभी तय की गयी दिसम्बर, 2028 की समय सीमा में फिर बदलाव हो सकता है। दिल्ली में गाजीपुर, ओखला और भलस्वा ये तीन मुख्य लैंडफिल साइटें हैं। यहां ओखला और भलस्वा में कचरा निस्तारण का काम बंद पड़ा है। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर निस्तारण प्रक्रिया की धीमी गति के कारण, वहां 30 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण होना चाहिए था, लेकिन अब तक केवल 12 लाख मीट्रिक टन कचरे का ही निस्तारण हो सका है।

वहीं, नगर निगम की स्थायी समिति के गठन में विलंब के कारण नरेला-बवाना में 3000 टन प्रतिदिन और गाजीपुर में 2000 टन प्रतिदिन कचरे से बिजली बनाने वाले नए प्लांट की योजना स्वीकृति न मिलने के चलते अधर में लटकी हुई है। तेहखंड लैंडफिल पर भी लगे कूड़े से बिजली बनाने के प्लांट की कूड़ा निस्तारण क्षमता में 1000 टन रोजाना बढ़ोतरी की योजना भी अधर में लटक गयी है। मौजूदा हालात पर नजर डालें, तो गाजीपुर, ओखला और भलस्वा लैंडफिल साइटों में कुल 159.87 लाख टन कचरा मौजूद है। यदि निस्तारण की गति इसी रफ्तार से बनी रही, तो उम्मीद है कि 2028 तक इन कूड़े के पहाड़ों को खत्म किया जा सकेगा। यह बात दीगर है कि कूड़े के पहाड़ पहले से कुछ कम जरूर हुए हैं। लेकिन इनके आसपास रहने-बसने वाले लोग, प्रदूषित व जहरीला पानी पीने से संक्रामक रोग, बुखार, किडनी में पथरी सहित पेट के रोगों और जहरीली बदबूदार हवा में सांस लेने के चलते फेफड़े, आंत्रशोथ, हृदय रोग के शिकार होकर मौत के मुंह में जाने को विवश होंगे।

वास्तव में जानलेवा बीमारियों की चपेट में आकर अनचाहे मौत के मुंह में चले जाना इन लोगों की नियति बन गयी है। जब तक इन कूड़े के पहाड़ों की समस्या हल नहीं हो जाती तब तक आसपास बसी बस्तियों के लोगों को इन जानलेवा बीमारियों से निजात मिलना मुश्किल है।

जीवन मंत्र

अनवरत काम करते रहें, सफलता अवश्य मिलेगी

एक बार शहर से कुछ लड़के गांव में घूमने आए। जब उन्होंने बारिश वाले बाबा के बारे में सुना, तो उन्हें यकीन नहीं हुआ। उन्होंने गांव वालों से कहा कि अगर साधु बाबा के नाचने से बारिश हो सकती है, तो हमारे नाचने से भी हो सकती है।

एक गांव में सूखा पड़ा था। बारिश न होने के कारण फसलें सूखने लगीं थीं। गांव वाले परेशान हो गए। उन्हें लगने लगा कि इस साल पूरी फसल बर्बाद हो जायेगी। एक दिन गांव में एक साधु आया और मस्त होकर नाचने लगा। गांव में जो भी उसे देखता, पागल समझता। धीरे धीरे पूरे गांव में उस पागल साधु की खबर फैल गई। लोग उसके आसपास इक_ा हो गए और उसका मज़ाक भी उड़ाने लगे। तभी अचानक बादल घुमड़ने लगे और जोरों की बारिश शुरू हो गई। साधु ने नाचना बंद कर दिया। गांव वालों के आश्चर्य की कोई सीमा नहीं रही। वे हाथ जोड़कर साधु से क्षमा मांगने लगे। उस दिन के बाद से साधु गांव में ही एक कुटिया बनाकर रहने लगा। जब भी सूखा पड़ता, वह नाचने लगता और बारिश हो जाती। वह बारिश वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

एक बार शहर से कुछ लड़के गांव में घूमने आए। जब उन्होंने बारिश वाले बाबा के बारे में सुना, तो उन्हें यकीन नहीं हुआ। उन्होंने गांव वालों से कहा कि अगर साधु बाबा के नाचने से बारिश हो सकती है, तो हमारे नाचने से भी हो सकती है। उन्होंने नाचकर बारिश करवाने की चुनौती ले ली। अगले दिन एक मैदान में

सारे गांव वाले इक_ा हो गए। साधु भी वहां था और चारों लड़के भी। चारों लड़कों ने नाचना शुरू किया। एक घंटा बीत गया, पर बारिश नहीं हुई। एक लड़का नाचते-नाचते थक गया और बैठ गया। एक घंटा और बीता, पर बारिश नहीं हुई। दूसरा लड़का भी थक कर बैठ गया। दो लड़के नाचते रहे, लेकिन बारिश न होते देख वे भी कुछ देर बाद थक कर बैठ गए। उसके बाद साधु ने नाचना शुरू किया। एक घंटा बीत गया, बारिश नहीं हुई, पर साधु नाचता रहा। दो घंटे बीत गए, बारिश नहीं हुई, पर साधु नाचता रहा। साधु को नाचते-नाचते शाम हो गई। चारों लड़के सोचने लगे कि ये साधु तो व्यर्थ ही नाच रहा है। तभी अचानक बारिश शुरू हो गई। साधु ने नाचना बंद किया, पर गांव वाले झूम उठे। चारों लड़के साधु के चरणों में गिर पड़े और पूछने लगे, बाबा! आपने ये चमत्कार कैसे किया?

साधु ने कहा, मैं इस विश्वास के साथ नाचना शुरू करता हूं कि बारिश जरूर होगी और तब तक नाचता रहता हूं, जब तक बारिश नहीं हो जाती। इसलिए मैं जब भी नाचता हूं, बारिश जरूर होती है।

साधु की इस बात में जीवन की एक बहुत बड़ी सीख छुपी हुई है। किसी भी काम में सफ़ल होना है, तो उसे पूरा करने के दृढ़ निश्चय के साथ काम शुरू करें और उसके बाद रुकें नहीं। उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन अपने निश्चय से डिगें नहीं। अनवरत काम करते रहें, काम में सफलता अवश्य मिलेगी।

शख्सियत | श्री कृष्ण सिंह

बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

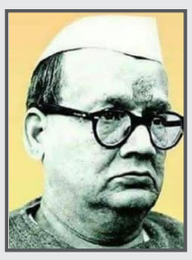

श्री कृष्ण सिंह, जिन्हें 'श्री बाबू' के नाम से भी जाना जाता है, बिहार के पहले मुख्यमंत्री और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता थे। उनका जन्म 21 अक्टूबर 1887 को बिहार के मुनगेरी जिले में हुआ था। बचपन से ही उनकी शिक्षा की ओर गहरी रुचि थी, और उन्होंने पटना कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की। इसके बाद, उन्होंने कानून की पढ़ाई कलकत्ता विश्वविद्यालय से की।

श्री कृष्ण सिंह का स्वतंत्रता संग्राम में अहम योगदान था। 1920 में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए असहयोग आंदोलन में उन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया और ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। इसी दौरान उनका जुड़ाव राजेंद्र प्रसाद और अनुग्रह नारायण सिंह जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के साथ हुआ। उनके नेतृत्व में बिहार में कई आंदोलनों का आयोजन हुआ, जिसमें किसानों के अधिकारों के लिए लड़ाई भी शामिल थी।

1937 में, जब भारत में पहली बार प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए, श्री बाबू को बिहार का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। हालांकि, 1942 में 'भारत छोड़ो आंदोलन' के समय उन्होंने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ जमकर विरोध किया और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। स्वतंत्रता के बाद, 1946 में श्री कृष्ण सिंह बिहार के मुख्यमंत्री बने और 1961 तक इस पद पर बने रहे। उनके कार्यकाल में बिहार ने विकास के कई आयाम छुए। उन्होंने शिक्षा और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए। बिहार का पहला विश्वविद्यालय और कई तकनीकी संस्थान उनके प्रयासों का परिणाम थे। साथ ही, उन्होंने दलितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए भी कई नीतियाँ बनाई।

श्री बाबू की सादगी, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के कारण उन्हें बिहार की जनता का अपार स्नेह मिला।

31 जनवरी 1961 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनका योगदान और उनकी प्रेरणादायक जीवन गाथा आज भी बिहार के विकास और स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

श्री कृष्ण सिंह का योगदान केवल राजनीतिक क्षेत्र तक सीमित नहीं था; उन्होंने सामाजिक और सांस्कृतिक सुधारों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे सामाजिक न्याय और समानता के प्रबल समर्थक थे। उनके नेतृत्व में बिहार ने जातिगत भेदभाव और अशिक्षा के खिलाफ कई महत्वपूर्ण कदम उठाए।

जीवन ऊर्जा | अल्फ्रेड नोबेलः जन्म 21 अक्टूबर 1833 | जन्म

संतोष ही असली संपत्ति है

अल्फ्रेड नोबेल का जन्म 21 अक्टूबर 1833 को स्वीडन में हुआ था। वे डायनामाइट के आविष्कारक और नोबेल पुरस्कारों के संस्थापक थे। नोबेल ने विज्ञान, शांति और साहित्य के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका निधन 10 दिसंबर 1896 को हुआ।

आशा प्रकृति का वह आवरण है जो सत्य की नग्नता को छुपाता है। मैं बड़े पैमाने पर विरासत में मिली संपत्ति को एक दुर्भाग्य मानता हूँ, जो केवल मनुष्यों की क्षमताओं को सुस्त करती है। संतोष ही असली संपत्ति है। कृषि के बाद, हमारे युग का सबसे बड़ा उद्योग दिखावा है। न्याय केवल कल्पना में पाया जा सकता है। मेरा घर वहीं है जहाँ मैं काम करता हूँ, और मैं हर जगह काम करता हूँ। मुझे दार्शनिक कहने का ज़रा भी दावा नहीं है। चिंता पेट का सबसे बड़ा ज़हर है। दिल को उतना ही मजबूर किया जा सकता है प्यार करने के लिए, जितना पेट को भोजन पचाने के लिए समझाकर। अगर मेरे पास हज़ार विचार हैं और उनमें से केवल एक अच्छा निकलता है, तो मैं संतुष्ट हूँ। सिर्फ शुभकामनाएँ ही शांति सुनिश्चित नहीं कर

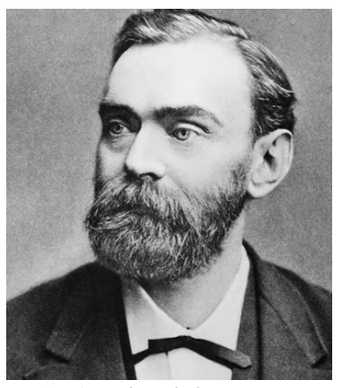

सकतीं। मैं अपने मरने के बाद एक बड़ा कोष छोड़ने का इरादा रखता हूँ, जो शांति के विचार को बढ़ावा देगा। मेरी इच्छा है कि सभी विस्फोटक हवा में भाप बन जाएं, क्योंकि युद्ध की स्थिति में वे किसी भले के नहीं हैं। यह मेरी स्पष्ट इच्छा है कि पुरस्कारों का वितरण राष्ट्रीयता की परवाह किए बिना किया जाए। मानवता के लिए कुछ मूल्यवान छोड़ने की इच्छा सभी मानव प्रेरणाओं में सबसे शक्तिशाली है। युद्ध सबसे भयानक आपदा है, मानव जाति के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध। मेरा डायनामाइट हजार विश्व सम्मेलनों से पहले शांति स्थापित करेगा। उन ईंटों से एक मजबूत नींव बनाओ, जो लोग तुम पर फेंकते हैं। हमें भविष्य को अतीत से अधिक उज्ज्वल बनाना होगा। कभी कोई काम अधूरा मत छोड़ो, नहीं तो तुम बाद में पछताओगे। सफलता की ओर पहला कदम तब उठाया जाता है जब आप उस वातावरण के कैदी बनने से इनकार कर देते हैं जिसमें आप खुद को पहली बार पाते हैं। मुझे उम्मीद है कि मेरी खोजें शांति की ओर ले जाएंगी, विनाश की ओर नहीं।

प्रेरक प्रसंग

जल्दबाजी में निर्णय

एक राजा नगर भ्रमण करने के लिए राज दरबार से निकलता है। शाम को जब वह भ्रमण कर राज दरबार में आता है तो उनके पैरों में छाले पड़ जाते हैं। वह तुरंत अपने प्रजा को आदेश देता है कि पूरे गांव के सड़क को मखमल से ढक दिया जाए। प्रजा आश्चर्यचकित हो जाती है और सोचते है कि भला इतने बड़े गांव को मखमल से ढकने के लिए कितने सारे पैसे लगेंगे इतने पैसे हम राजा से कैसे मांगे? प्रजा मुखिया को यह सब बातें बताते हैं कि समस्या का हमें हल बताइए? राजा ने आदेश तो दे दिया है पर हम राजा से पैसे कैसे मांगे? प्रजा का मुखिया राजा को पूछता है कि यह निर्णय आप किस कारण से ले रहे हैं आप मुझे बताइए ? राजा कहता है कि मैं जब नगर भ्रमण के लिए निकला था तो सड़क पर काफी सारे छोटे छोटे कंकर से मेरे पैरों में छाले आ गए। मैं नहीं चाहता कि हमारे नगर में कोई भी व्यक्ति को यह परेशानी हो जिस परेशानी से में जूझ रहा हूं। मुखिया जवाब देते हुए कहते हैं इतनी छोटी सी बात के लिए आप करोड़ों का निवेश करोगे। इससे अच्छा रहेगा की हम मखमल के जूते बना देते हैं। और पूरे नगर को मखमल के जूते वितरण कर देते। कम लागत में आपके समस्या का हल हो जाएगा। राजा ने इस बात पर सोच विचार किया और अंत में मुखिया के बातों को अमल में लाया। राजा ने पूरे प्रजा को सिर्फ जूते बनवाने का आदेश दिया। जो व्यक्ति निर्णय लेने से पहले विचार करता है उस पर विश्लेषण करता है उसके निर्णय हमेशा सही होते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हर व्यक्ति अपने कर्मो के अनुसार फल भोगता है

एक बार शंकर पार्वती भ्रमण पर निकले। रास्ते में उन्होंने देखा कि एक तालाब में कई बच्चे तैर रहे थे, लेकिन एक बच्चा उदास मुद्रा में बैठा था । पार्वती जी ने शंकर जी से पूछा यह बच्चा उदास क्यों है? शंकर जी ने कहा बच्चे को ध्यान से देखो। पार्वती जी ने देखा बच्चे के दोनों हाथ नही थे। जिस कारण वो तैर नही पा रहा था। पार्वती जी ने शंकर जी से कहा कि आप शक्ति से इस बच्चे को हाथ दे दो ताकि वो भी तैर सके। शंकर जी ने कहा हम किसी के प्रारब्ध में हस्तक्षेप नही कर सकते हैं क्योंकि हर आत्मा अपने कर्मो के फल द्वारा ही अपना प्रारब्ध अदा करती है। पार्वती ने बार बार विनती की। आखिरकर शंकर जी ने उसे हाथ दे दिए। वह बच्चा भी पानी में तैरने लगा।

एक सप्ताह बाद शंकर पार्वती फिर वहाँ से गुज़रे। इस बार मामला

उल्टा था, सिर्फ वही बच्चा तैर रहा था और बाकी सब बच्चे बाहर थे। पार्वती जी ने पूछा यह क्या है? शंकर जी ने कहा कि ध्यान से देखो-देखा तो वह बच्चा दूसरे बच्चों को पानी में डुबो रहा था। इसलिए सब बच्चे भाग रहे थे। शंकर जी ने जवाब दिया हर व्यक्ति अपने कर्मो के अनुसार फल भोगता है। भगवान किसी के कर्मो के फेर में नही पड़ते है। उसने पिछले जन्मो में हाथों द्वारा यही कार्य किया था। इसलिए उसके हाथ नही थे। हाथ देने से पुनः वह दूसरों की हानि करने लगा है। प्रकृति नियम अनुसार चलती है किसी के साथ कोई पक्षपात नही।

आत्माएँ जब ऊपर से नीचे आती हैं तो अच्छी ही होती हैं, कर्मो अनुसार कोई अपाहिज है तो कोई भिखारी तो कोई झुग्गी में तो कोई बड़े महलों में रहता है, लेकिन सब परिवर्तन शील है। अगर महलो में रहकर या पैसे के नशे में आज कोई बुरा काम करता है, लेकिन भुगतान तो सबको करना ही पड़ेगा।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सुविचार

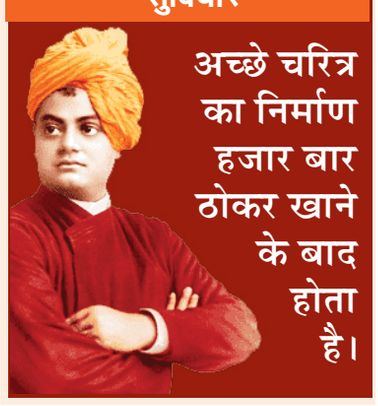

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

खबर संक्षेप

पुलिस के शिकंजे में शातिर ठग

लखनऊ। हजरतगंज पुलिस ने स्मार्ट मीटर का टेण्डर दिलाने का दावा कर रिटायर सैन्यकर्मी से 20 लाख हड़पने वाले ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने सूरजदीप काम्पलेक्स में दफ्तर खोल रखा है। पुलिस से बचने के लिए आरोपी दफ्तर में हमशक्ल को बैठाता था। प्रभावशाली लोगों के एसीपी हजरतगंज अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि सूरजदीप काम्पलेक्स के पास बटलर पैलेस निवासी कन्हैया लाल शर्मा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ जून 2024 में बलिया सुखपुरा निवासी रिटायर सैन्य कर्मी पवन कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया था। कन्हैया शर्मा ने पवन को बलिया में स्मार्ट मीटर लगाने का टेण्डर दिलाने का दावा करते हुए करीब 20 लाख रुपये लिए थे। एसीपी के मुताबिक काम पूरा नहीं होने पर पवन के रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने चेक दिए थे। जिनके बाउंस होने पर एनआई एक्ट का मुकदमा भी दर्ज हुआ था। आरोपी ने सूरजदीप काम्पलेक्स में एमएस स्वराज क्रांति इंफ्राटेक के नाम से दफ्तर भी बना रखा है। जिसमें कन्हैया अपने हमशक्ल को बैठाता है। आरोपी ने कई आईएएस, पीसीएस अधिकारियों से लेकर प्रभावशाली नेताओं के साथ फोटो खिंचवा रखी है। जिन्हें दिखा कर वह लोगों पर शासन में गहरी पैठ होने का दावा करता था।

कन्हैया लाल शर्मा के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में ही धोखाधड़ी के करीब सात मुकदमे दर्ज है। इसके अलावा दिल्ली और बांदा में भी एफआईआर है।

लखनऊ-छपरा के बीच वंदे भारत में सीटें खाली

लखनऊ। दीपावली, छठ पर लखनऊ से छपरा के बीच स्पेशल वंदे भारत ट्रेन (02270/02269) 25 अक्तूबर से चलाई जाएगी। ट्रेन में अभी एसी चेयरकार में 300 से अधिक सीटें, जबकि एसी एग्जिक्यूटिव क्लास में सभी दिन 30 से अधिक सीटें खाली हैं। ट्रेन में 8 एसी चेयर कार लगाए जाएंगे, जबकि 1 एसी एग्जिक्यूटिव क्लास कोच लगाया जाएगा। 25 अक्तूबर से 08 नवंबर तक 13 फेरे के लिए यह ट्रेन चलाई जाएगी। लखनऊ से यह 25, 26, 27, 28, 30, 31 अक्तूबर और 01, 02, 03, 04, 06, 07, 08 तक चलेगी। उत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी ने बताया कि यात्रियों को प्रीमियम क्लास सुविधा के लिए टिकट की बुकिंग करा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रेन में वाईफाई, रीडिंग लाइट्स और मल्टीमीडिया एंटरटेनमेंट सिस्टम की सुविधा मिलेगी।

जो कहते हैं डंके की चोट पर करके दिखाते हैं

राम मंदिर को लेकर बोले पीएम मोदी

एजेंसी । वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। इस दौरान काशी को करीब 3300 करोड़ की सौगात दी। इसी के साथ देश के अन्य हिस्सों को भी 3400 करोड़ का दिवाली गिफ्ट दिया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधा। अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कहा कि हम जो कहते हैं डंके की चोट पर करके दिखाते हैं।

पीएम मोदी सबसे पहले हरिहरपुर स्थित आर जे शंकरा नेत्र हॉस्पिटल का उद्घाटन करने पहुंचे। यहां से सिगरा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम से सौगातों की बारिश की। रिमोट से शुभारंभ के बाद भोजपुरी से अपने संबोधन की शुरुआत की। कहा कि आज फिर काशी आवे का मौका मिलल हव। सौगातों को लेकर कहा कि आप सब के बहुत बधाई। मोदी ने कहा कि काशी के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ है। काशी को मिली सौगातों से नौजवानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

'सरकार किसी से भेदभाव नहीं करती'

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार किसी से भेदभाव नहीं करती। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी पार्टियां देश के विकास में भी परिवारवाद कर रही थीं।

भाजपा जो कहती है वह डंके के चोट पर करती है। अयोध्या में राम मंदिर का सपना भाजपा ने ही पूरा किया। महिलाओं को विधान और लोकसभा में आरक्षण की बात कही गई थी, जिसे हमने ही पूरा किया। भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाया। तीन तलाक के नाम पर वे न जानें कितने वर्षों से प्रताड़ित थीं। अंधकारमय जिंदगी जी रही थीं। सरकार ने महिलाओं को सिर ऊंचा कर चलने की हिम्मत दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भविष्य में एक लाख युवाओं को राजनीति का हिस्सा बनाया जाएगा।

'देश में विकास कार्यों की बहार'

कहा कि आज देश में विकास कार्यों की बहार आ गई है। देश के युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट पर आधुनिक सुविधा बढ़ते ही यहां के लोगों को रोजगार मिलने लगे। आज बनारस आने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यहां पर्यटकों और व्यापारियों के आने की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। काशी विकास और विरासत का रोल मॉडल बनेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले साल देश के एक दर्जन एयरपोर्ट के सुधार भी किए जा रहे हैं। अयोध्या में एक भव्य इंटरनेशल एयरपोर्ट राम भक्तों का स्वागत कर रहा है।

कहा कि एक समय था यूपी की सड़कें खस्ताहाली के लिए जानी जाती थी। 2014 के बाद यूपी की सड़कें बन रही हैं। सड़कें चमचमा रही हैं। काशी नगरी के विकास और विरासत को लेकर काम किया जा रहा है। यहां गलियों से लेकर सुंदर घाट लोगों का मन मोह रहे हैं। देश में भाषाओं का भी विकास किया जा रहा है। पाली भाषा का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने आज विकास परियोजनाओं के किए गए लोकार्पण एवं शिलान्यास के लिए देश के सभी नागरिकों के साथ काशीवासियों को धन्यवाद दिया।

सोलह श्रृंगार से सजी सुहागिनों ने मांगा अखंड सौभाग्य

एजेंसी । लखनऊ

पति की लम्बी आयु, सुख-समृद्धि और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ रविवार को सुहागिन महिलाओं ने करवा चौथ का निर्जला व्रत रखा। सूर्योदय से चंद्रोदय तक व्रत के दौरान शाम को शुभ मुहूर्त में सोलह श्रृंगार कर करवा की पूजा की। चंद्रोदय होने पर दर्शन कर अर्घ्य दिया और विधि-विधान से पूजन किया। भगवान गणेश और करवा माता से अखंड सुहागिन होने का आशीष मांगा। मनोवांछित जीवनसाथी की कामना के साथ कई अविवाहित लड़कियों ने भी करवा चौथ का व्रत रखा। करवा चौथ पर सुबह से ही बाजार भी गुलजार रहे। चूरा, खील, बताशे से लेकर मिठाई और पूजन सामग्री की दुकानों पर भीड़ लगी रही। मेहंदी रचाने और साज श्रृंगार के लिए ब्यूटी पॉर्लर भरे रहे। महिलाओं ने भोर होते ही स्नान, पूजन कर सुख सौभाग्य का संकल्प लेकर व्रत आरंभ किया। अन्न-जल त्याग कर शाम के पूजन की तैयारियों में जुट गईं। इस बार करवा चौथ पर गजकेसरी योग, बुधादित्य योग और शश योग बना। वहीं उच्च का चन्द्रमा रोहिणी नक्षत्र में शुभ संयोग बनने से यह करवा चौथ व्रती महिलाओं के लिए बहुत शुभ और फलदायी माना गया है। शाम को महिलाओं ने चूड़ियां, बिछिया, सिंदूर, बिंदी, आभूषणों और विवाह के जोड़े या लहंगे में सजधज कर श्रृंगार किया। पूजन के शुभ मुहूर्त (5:33 से 6:49 बजे) में विधि-विधान से शिव, गौरी, गणेश जी व करवा का पूजन किया। करवा की कथा सुनी।

कहीं महिलाओं ने घर-परिवार की महिलाओं के साथ पूजन किया तो कई जगह महिलाओं ने कॉलोनी व मोहल्ले की महिलाओं के साथ मिलकर सामूहिक पूजन किया।

इसके बाद चंद्रोदय होने पर (शाम 07:54) बजे चंद्र देव के दर्शन किए और अर्घ्य दिया। पति, पुत्र-पुत्री की दीर्घ आयु, सुख-समृद्धि और लोक कल्याण की कामना की। कई जगह परंपरा अनुसार महिलाओं ने चलनी से पति का दीदार किया और आरती उतारी। पतियों ने करवा का प्रसाद (लड्डू या मिष्ठान) पत्नियों को खिलाकर और पानी पिलाकर व्रत पूर्ण कराया। महिलाओं ने घर-परिवार के बड़ों से आशीर्वाद लिया।

सिराथू के सात लेखपालों को मिला अतिरिक्त प्रभार

सिराथू। सिराथू तहसील क्षेत्र में कार्यरत सात लेखपालों को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। शनिवार को एसडीएम ने सभी को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी। साथ ही चेतावनी भी दी कि मनमानी करने पर कार्रवाई की जाएगी। सिराथू के एसडीएम अजेन्द्र सिंह ने बताया कि लेखपाल दिलीप कुमार प्रथम को बिदनपुर ककोढ़ा के साथ कसिया क्षेत्र, कमल सिंह को बिसारा के साथ केसारी क्षेत्र, सुनील द्विवेदी को सुल्तानपुर कसार के साथ अलीपुर जीता आमद हथगांव क्षेत्र, दिलीप कुमार द्वितीय को निजामपुर नौगीरा के साथ सैनी क्षेत्र, वहाज अहमद को गोविंदपुर गोरियों के साथ बम्हरौली क्षेत्र, विनोद कुमार पाल को संभुई के साथ परास क्षेत्र और लेखपाल मुकेश चंद्र पटेल को थुलबुला के साथ-साथ

सिराथू एवं कूरामुरीदन क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। एसडीएम ने कहा कि शासकीय कार्य हित में यह कदम उठाया गया है।

बुलडोजर ऐक्शन पर जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिन का दिया समय

23 घरों पर लगाया था नोटिस

बहराइच। बहराइच में अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर कार्रवाई को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ध्वस्तीकरण नोटिस से प्रभावित लोगों को जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिन का समय दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि 15 दिन के अंदर ध्वस्तीकरण से प्रभावित लोग अपना जवाब दाखिल करें। इस मामले में 23 अक्टूबर को हाईकोर्ट फिर सुनवाई कर सकता है। बतादें कि बहराइच के महाराजगंज में हुई हिंसा मामले में मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद संग 23 लोगों के घरों पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने शुक्रवार को शाम नोटिस चस्पा किया था। नोटिस में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा हटाने का हवाला देते हुए अफसरों ने अवैध निर्माण को तीन दिनों में हटाने की मोहलत दी थी। इसके बाद सभी बने अवैध भवनों पर बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कने की चेतावनी दी गई, जिसकी मियाद सोमवार को पूरी हो जाएगी।

अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए की थी नापजोक

हरदी थाना क्षेत्र महराजगंज कस्बे में 13 अक्टूबर को हुए बवाल, आगजनी व तोड़फोड़ मामले में उपद्रवियों पर कानूनी कार्रवाई के लिए शिकंजा कसा था।

लोकनिर्माण विभाग की ओर से दो दिन पहले कुंडासर, महसी होते हुए नानपारा को जोड़ने वाली जिला प्रमुख मार्ग की नपाई की थी। जांच में हत्यारोपित अब्दुल हमीद

सहित 23 लोगों के पक्के मकान लोकनिर्माण विभाग की जमीन पर बने पाए गए हैं। इन लोगों को नोटिस जारी किया गया।

व्यापार जगत

सरकारी बैंकों में मुख्य महाप्रबंधकों के पद बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा वित्त मंत्रालय

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के बढ़ते कारोबार और लाभप्रदता को देखते हुए उनमें मुख्य महाप्रबंधकों के पदों को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। मौजूदा सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, पीएसबी में चार महाप्रबंधकों के लिए एक मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) हो सकता है।

सूत्रों ने बताया कि ये दिशानिर्देश 2019 में जारी किए गए थे और तब से कोविड-19 महामारी के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सूत्रों ने बताया कि पीएसबी के कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इससे उन्होंने रिकॉर्ड लाभ दर्ज किया है।उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा वृद्धि के अगले स्तर को प्राप्त करने के लिए सीजीएम पदों की समीक्षा कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि दिशा-निर्देशों में ढील देने

का फैसला गहन जांच और उनके कारोबार को आगे बढ़ाने की जरूरत पर विचार करने के बाद लिया जाएगा। सीजीएम पद 2019 में 10 राष्ट्रीयकृत बैंकों के चार बड़े बैंकों में विलय के बाद बनाया गया था। सीजीएम महाप्रबंधक और कार्यकारी निदेशक के बीच एक प्रशासनिक और कार्यात्मक संपर्क के रूप में कार्य करते हैं। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्तीय सेवा विभाग से यह भी अनुरोध किया है कि निदेशक मंडल को उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार पदों की संख्या तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए। एक राष्ट्रीयकृत बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा, 'जीएम/ डीजीएम/ एजीएम का मौजूदा अनुपात 1:3:9 है, जो 2016 की स्थिति पर आधारित है, और बेहतर कार्यात्मक नियंत्रण के लिए इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।'

उन्होंने कहा कि इससे वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति में सुधार करने में मदद मिलेगी। सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में लगभग चार लाख अधिकारी कार्यरत हैं। पिछले वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल मुनाफा 1.4 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया, जो एक लाख करोड़ रुपये के उच्च आधार पर पिछले वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2022-23 में 12 सार्वजनिक बैंकों ने मिलकर 1,04,649 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

एआई के एकीकरण से बड़ी संख्या में कंपनियों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि : रिपोर्ट

नई दिल्ली। बड़ी संख्या में कंपनियों का मानना है कि आज कृत्रिम मेधा (एआई) प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की कुंजी है। एक नयी रिपोर्ट के अनुसार, इन संगठनों ने एआई एकीकरण के जरिये उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया है। बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय की 'उद्योग 5.0 और एआई रिपोर्ट' के अनुसार, 44 प्रतिशत संगठनों ने एआई एकीकरण के जरिये उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। इसके अलावा 21 प्रतिशत ने बताया कि एआई नवोन्मेषण को आगे बढ़ाने, नए उत्पादों, सेवाओं और कारोबारी मॉडल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, खासकर वित्त, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और विपणन जैसे क्षेत्रों में ऐसा देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि लगभग 33 प्रतिशत संगठन

उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि 29 प्रतिशत चैटबॉट और रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन (आरपीए) के जरिये ग्राहक सेवा के लिए एआई का लाभ उठा रहे हैं। करीब 19 प्रतिशत व्यवसाय रुझानों का विश्लेषण के लिए एआई का उपयोग करते हैं, जबकि 13 प्रतिशत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में सुधार के लिए एआई की मदद ले रहे हैं। रिपोर्ट 1,000 पेशेवरों की प्रतिक्रियाओं और 50 उद्योग विशेषज्ञों के साथ गहन बातचीत पर आधारित है।

भारत का सौर उपकरण आयात 2030 तक सालाना 30 अरब डॉलर होने का अनुमान: जीटीआरआई

नई दिल्ली। भारत का सौर उपकरण आयात 2030 बढ़कर सालाना 30 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को एक रिपोर्ट में कहा कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के देश के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह निर्यात बढ़ेगा। इस दौरान चीन पर निर्भरता भी बढ़ेगी। जीटीआरआई ने कहा कि भारत में एक आत्मनिर्भर सौर विनिर्माण उद्योग विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश की

आवश्यकता होगी। विशेष रूप से पॉलीसिलिकॉन और वेफर उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निवेश करना होगा। जीटीआरआई ने आगाह करते हुए कहा कि इसके बिना भारत को उच्च आयात लागत का सामना करना पड़ सकता है और अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। भारत ने 2023-24 में 15 गीगावाट सौर क्षमता स्थापित की, जिससे सितंबर तक कुल क्षमता बढ़कर 90.8 गीगावाट हो गई।

7,000 करोड़ रुपए निवेश करेगी प्रेस्टीज एस्टेट्स

एजेंसी । नई दिल्ली

रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड गाजियाबाद में एक टाउनशिप विकसित करने के लिए लगभग 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली के संपत्ति बाजार में कारोबार का विस्तार करना चाहती है। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स राष्ट्रीय राजधानी के एरोसिटी में एक वाणिज्यिक परियोजना का निर्माण कर रही है। यह दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार में तीन जमीन के टुकड़ों का अधिग्रहण करके

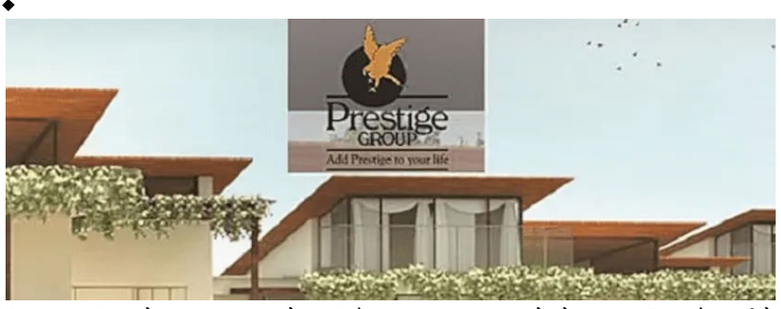

दिल्ली-एनसीआर के आवास बाजार में उतरी है। प्रेस्टीज समूह के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) इरफान रजाक दिल्ली-एनसीआर के आवास बाजार को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा कि यदि कंपनी लगातार भूमि अधिग्रहण कर सकी तो सालाना 10,000 करोड़ रुपये मूल्य के आवास की बिक्री की संभावना है। मार्च में, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने टाउनशिप विकसित करने के लिए सिद्धार्थ विहार, इंदिरापुरम एक्सटेंशन, गाजियाबाद में 62.5 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया।सभी आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद टाउनशिप परियोजना 'प्रेस्टीज सिटी' इसी तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है। परियोजना लागत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह लगभग 6,000-7,000 करोड़ रुपये होगी। रजाक ने कहा कि जमीन पहले ही खरीद ली गई है और निर्माण लागत की पूर्ति बिक्री बुकिंग के आधार पर ग्राहकों से धन जुटाकर की जाएगी।

सुल्तान जोहोर कप

भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराया

दिलराज और शारदा नंद के शानदार प्रदर्शन से भारत की जीत

एजेंसी । जोहोर बाहरू

दिलराज सिंह और शारदा नंद तिवारी के दो-दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराकर सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। मोहम्मद कोनैन दाद (सातवें मिनट) ने भारत का खाता खोला। इसके बाद दिलराज (17वें, 50वें मिनट), शारदा नंद (20वें, 50वें मिनट) ने गोल किये। इसके अलावा मनमीत सिंह (26वें मिनट) ने भी भारत की तरफ से गोल किया। ब्रिटेन की तरफ से रोरी पेनरोज़ (दूसरे, 15वें मिनट) और माइकल रॉयडेन (46वें, 59वें मिनट) ने दो-दो गोल करके मैच को रोमांचक बनाए रखा।

शुरुआती झटके के बाद भारत की दमदार वापसी

भारत ने शनिवार को जापान को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। उसने अपनी वही लय बनाए रखी। लेकिन वह ब्रिटेन था जिसने पहला गोल किया। उसकी तरफ से खेल के दूसरे मिनट में ही पेनरोज ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। भारत ने हालांकि इसके कुछ देर बाद ही दाद के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से बराबरी कर ली। ब्रिटेन ने 15वें मिनट में फिर से बढ़त हासिल कर ली जब पेनरोज़ ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारत ने हालांकि दूसरे क्वार्टर में अपना दबदबा बनाया और लगातार तीन गोल किए। स्ट्राइकर दिलराज ने 17वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर किया। शारदा नंद ने इसके बाद दिलराज की मदद से पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। उन्होंने 26वें मिनट में मनप्रीत की भी गोल करने में मदद की जिससे भारत 4-2 से आगे हो गया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीम को पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन वह उनका नहीं उठा पाए। ब्रिटेन ने चौथे क्वार्टर के शुरू में रॉयडेन के गोल की मदद से वापसी की कोशिश की। भारत को 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। फॉर्म में चल रहे ड्रैगफ्लिकर शारदा नंद ने मौका नहीं गंवाया और गोल कर दिया। इसके कुछ सेकेंड बाद दिलराज ने मैदानी गोल करके स्कोर 6-3 से भारत के पक्ष में कर दिया। रॉयडेन ने 59वें मिनट में अपना दूसरा और ब्रिटेन की तरफ से चौथा गोल किया लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। भारत ने लगातार दूसरा मैच जीत पर तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

तीन घंटे का खेल टीम की काबिलियत तय नहीं करेगा: रोहित

एजेंसी । बेंगलुरु

कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की शुरुआती पारी में टीम के 46 रन पर आउट होने पर कहा कि 'वे तीन घंटे' भारतीय टीम की काबिलियत तय नहीं करेंगे और इस आधार पर उनके खिलाड़ियों के बारे में कोई भी निर्णय अनुचित होगा। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में शानदार जज्बा दिखाते हुए 462 रन बनाये लेकिन न्यूजीलैंड इस मुकाबले को आठ विकेट से जीतने में सफल रहा। रोहित ने कहा कि एक सत्र में खराब खेल से उनकी टीम की गुणवत्तापूर्ण क्रिकेट खेलने और कठिन परिस्थिति से वापसी करने की क्षमता तय नहीं होगी।

उन्होंने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं इस टेस्ट मैच पर ज्यादा ध्यान नहीं देने जा रहा हूं क्योंकि वे तीन घंटे यह तय नहीं करेंगे कि यह टीम क्या है। आप जानते हैं कि उन तीन घंटों के बारे में सोचना और उस आधार पर खिलाड़ियों को आंकना अनुचित होगा।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'टीम में हमें सकारात्मक माहौल बनाये रखना जरूरी है। हमें दूसरी पारी में बल्ले से इस मैच में वास्तव में वापसी करने का एक तरीका मिल गया था। हम टेस्ट मैच हार गए लेकिन मुझे लगता है कि हमारे लिए इस मैच बहुत सारी अच्छी चीजें भी हुई हैं।' भारतीय कप्तान ने माना कि टीम ने ' कुछ गलतियां' की है लेकिन आगामी मैच से पहले घबराने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हमने इस मैच में छोटी-छोटी गलतियां की हैं और हमें इसका परिणाम भुगतना पड़ रहा है। इसका हालांकि यह मतलब नहीं कि सब कुछ खत्म हो गया है। हम पहले भी ऐसे मैच हार चुके हैं और उसके बाद हमने वापसी की है। इसलिए हम कोशिश करेंगे कि इस टेस्ट के बारे में ज्यादा न सोचें।'' रोहित ने कहा कि टीम का ध्यान 24 अक्टूबर से पुणे में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले एक इकाई के रूप में मजबूत बने रहने पर है। उन्होंने कहा, ''अब, यह घबराहट में आये बिना माहौल को शांत बनाये रखने के बारे में है। यह महत्वपूर्ण है कि हम मजबूत रहें और कोशिश करें और देखें कि हम दूसरे मैच में कैसे जीत हासिल कर सकते हैं।''

एशियाई क्रॉस कंट्री में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी । हांगकांग

भारतीय खिलाड़ियों ने रविवार को यहां एशियाई क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 11 पदक जीते। भारत ने सभी चार टीम श्रेणियों पुरुष, महिला और पुरुष अंडर-20 और महिला अंडर-20 में स्वर्ण पदक जीते। भारत ने जहां पुरुषों की व्यक्तिगत 10 किमी स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया वहीं भारतीय महिला एथलीटों ने व्यक्तिगत 10 किमी दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक जीता, लेकिन वह कांस्य पदक से चूक गईं। एशियाई खेलों के पदक विजेता और 5,000 मीटर और 10,000 मीटर ट्रैक स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह पुरुषों की 10 किमी दौड़ में शीर्ष पर रहे। उन्होंने 32:43 मिनट में यह दौड़ पूरी करके स्वर्ण पदक हासिल किया।अभिषेक पाल 32:49 मिनट के समय के साथ दूसरे जबकि अरुण राठौड़ 32:51 मिनट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के ही कार्तिक कुमार ने चौथा स्थान हासिल किया। महिलाओं की 10 किमी दौड़ में सीमा ने 37:20 मिनट का समय लेकर हमवतन संजीवनी जाधव को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता। संजीवनी ने भी 37:20 मिनट का समय निकाला लेकिन फोटो फिनिश में वह पीछे रह गई और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीन की हे वुगा ने 38.02 मिनट का समय लेकर कांस्य पदक हासिल किया।

वह दिन नदीम का था, पेरिस ओलंपिक भालाफेंक फाइनल पर बोले नीरज चोपड़ा

एजेंसी । लखनऊ

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से चूकने वाले भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि उनके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी लेकिन वह दिन पाकिस्तान के अरशद नदीम का था जो उन्हें पछाड़कर चैम्पियन बने। चोपड़ा ने आठ अगस्त को हुए फाइनल में 89.45 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता लेकिन नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए पहले ही प्रयास में 92.97 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बने। चोपड़ा ने कहा ,'कुछ भी गलत नहीं था, सब कुछ सही था। थ्रो भी अच्छा था। ओलंपिक में रजत प्राप्त करना भी कोई छोटी चीज़ नहीं है, लेकिन, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता बहुत अच्छी थी और स्वर्ण पदक उसी ने जीता है जिसका वह दिन था। वह नदीम का दिन था।' यहां फीनिक्स पलासियो मॉल में अंडर आर्मर के नए प्रारूप वाले ब्रांड हाउस स्टोर का उद्घाटन करने आये चोपड़ा ने इस धारणा को खारिज किया कि हॉकी और क्रिकेट के बाद भाला फेंक भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता का गवाह बनने वाला नया खेल बन गया है।उन्होंने कहा ,भाला फेंकने में कोई दो टीमें नहीं हैं, लेकिन विभिन्न देशों के 12 एथलीट हैं जो एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मैं 2016 से भाला फेंक में नदीम के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा हूं और यह पहली बार है कि नदीम ने जीत हासिल की है।'

'जिसके पास सबसे अच्छी तकनीक होगी वह अच्छा प्रदर्शन करेगा'

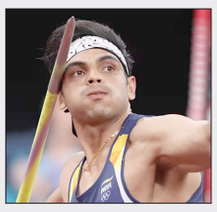

यह पूछे जाने पर कि भाला फेंकने वाले को सबसे ज्यादा किस चीज की आवश्यकता होती है , चोपड़ा ने कहा कि ताकत, सहनशक्ति, मानसिक सहनशक्ति। 2011 में पहली बार भाला उठाने वाले चोपड़ा कहा , 'यह इन सभी चीजों का संयोजन है, और कोई एक चीज काम नहीं करेगी, बल्कि इन सभी चीज़ों को मिलाकर, जिसके पास सबसे अच्छी तकनीक होगी वह अच्छा प्रदर्शन करेगा।' पहले भी लखनऊ आ चुके चोपड़ा ने कहा, 'मैं इससे पहले 2012 में खेलने के लिए लखनऊ आया था और तोक्यो ओलंपिक के बाद जब मुख्यमंत्री ने मुझसे आने के लिए कहा था। यह मेरा (लखनऊ का) तीसरा दौरा है।' 26 वर्षीय इस खिलाडी ने कहा ' पहले के लखनऊ और अब के लखनऊ में बहुत अंतर है। उस वक्त मैं काफी छोटा था और चीजें ज्यादा याद नहीं रहतीं, उस वक्त मैं ट्रेन से आया था और अब अच्छा एयरपोर्ट बन गया है, अच्छा मॉल बना है और यह पहली बार है कि मैं यात्रा करके शहर को इतना करीब से देख पा रहा हूं।

न्यूजीलैंड से हारकर भी डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर भारत

एजेंसी । दुबई

न्यूजीलैंड से पहले टेस्ट में आठ विकेट से हारने के बावजूद भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। भारत का प्रतिशत गिरकर 68.06 हो गया है और अब उसे आगामी दो टेस्ट तथा आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। तालिका में आस्ट्रेलिया 62 . 50 प्रतिशत के साथ दूसरे और श्रीलंका 55.56 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड इस जीत के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गया है। न्यूजीलैंड टीम नवंबर और दिसंबर में तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी और शीर्ष दो में पहुंच सकती है।

अंकित रायजादा और श्रीतमा मित्रा ने स्टार परिवार अवॉर्ड्स 2024 में बिखेरा जादू

हर साल दर्शकों के बीच स्टार परिवार अवार्ड देखने की एक्साइटमेंट बढ़ जाती है। ऐसे में, स्टार परिवार अवॉर्ड 2024 के अनाउंसमेंट के बाद इस साल दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। अवॉर्ड का रेड कार्पेट एक शानदार इवेंट था, जहां स्टार प्लस के सारे कलाकारों ने अपने सबसे स्टाइलिश और अनोखे अंदाज वाले आउटफिट में चमक बिखेरी है।

राजन शाही, रूपाली गांगुली, गौरव खन्ना, समृद्धि शुक्ला, रोहित पुरोहित, भाविका शर्मा, हितेश भारद्वाज, अंकित गुप्ता, ऋतुजा बागवे, अंकित रायजादा, श्रीतमा मित्रा, क्रुशाल आहूजा, हिबा नवाब, अक्षित सुखीजा, अदिति त्रिपाठी, सोनाक्षी बत्रा, फहमान खान , और विजयेंद्र कुमेरिया जैसे सभी पसंदीदा कलाकार स्टार परिवार अवॉर्ड्स 2024 में रेड कार्पेट पर नजर आए।

इस साल स्टार परिवार अवॉर्ड्स की थीम टेलीविजन की सबसे बड़ी शादी है- सचिन और साइली की शादी है। यह एक ग्रैंड इवेंट था जिसमें स्टार परिवार के कलाकारों ने कई परफॉर्मेंस दीं। इनमें स्टार प्लस की अंकित रायजादा, जो अमन सिंह राजपूत का किरदार निभा रहे हैं, और श्रीतमा मित्रा, जो एडवोकेट अंजलि अवस्थी शो में अंजलि का किरदार निभा रही हैं, की जोड़ी ने खूबसूरत परफॉर्मेंस दी है। उन दोनों ने ₹ऐवयी ऐवयी₹ गाने पर परफॉर्म किया और उन्हें देखना सचमुच बेहद मजेदार था।

एकता कपूर-शोभा कपूर पर POCSO एक्ट के तहत केस दर्ज

'गंदी बात' पर जताई आपत्ति

प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर के खिलाफ POCSO एक्ट के तहत एक शिकायत दर्ज कराई गई है। आरोप है कि उन्होंने अपनी एरोटिक सीरीज 'गंदी बात' में एक नाबालिग लड़की के आपत्तिजनक सीन्स फिल्माए थे। अब तक इस सीरीज के 6 सीजन्स आ चुके हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म ALT Balaji की वेब सीरीज 'गंदी बात' के सीजन 6 के एक एपिसोड में नाबालिग लड़कियों के अश्लील दृश्य दिखाने के आरोप में, इस ऐप के पुराने प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर के खिलाफ ये शिकायत दर्ज की गई है।

शिकायत में लिखा गया है कि फरवरी 2021 से अप्रैल 2021 के बीच 'ऑल्ट बालाजी' पर स्ट्रीम हुई इस सीरीज में नाबालिग लड़कियों के अश्लील दृश्य दिखाए हैं। हालांकि ये विवादित एपिसोड इस ऐप पर फिलहाल स्ट्रीम नहीं हो रहा है। शिकायतकर्ता की ओर से की गई शिकायत में आरोप लगाए गए हैं कि इस वेब सीरीज में सिगरेट के विज्ञापन का इस्तेमाल करते हुए महापुरुषों और संतों का अपमान किया गया। इसकी वजह से शिकायतकर्ता की भावनाओं को ठेस भी पहुंची। साथ ही इस सीरीज के एक एपिसोड में POCSO एक्ट के नियमों का उल्लंघन करने वाले कुछ सीन दिखाए गए थे। सभी आरोपों को मद्देनजर ये मालूम होता है कि पोक्सो के साथ कंटेंट की वजह से इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000, वुमन प्रोहिबिशन एक्ट 1986 और सिगरेट्स-अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 जैसे कानूनों का भी उल्लंघन किया गया है।

एकता कपूर या शोभा कपूर की ओर से कोई बयान नहीं

हालांकि अभी तक इस मामले में एकता कपूर या शोभा कपूर की ओर से कोई बयान नहीं आया है। हाल ही में बच्चों पर बनने वाली अश्लील फिल्मों पर अदालत की हुई टिप्पणी के बाद इन दोनों के खिलाफ ये मामला दर्ज किया गया है। दरअसल 27 सितंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों से जुड़े अश्लील कंटेंट को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया था। उन्होंने कहा था कि बच्चों को लेकर इस तरह का अश्लील कंटेंट देखना, पब्लिश करना और डाउनलोड करना गुनाह है। इस फैसले के साथ उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को ख़ारिज कर दिया था। मद्रास हाई की तरफ के कहा गया था इस तरह की एक्टिविटी को अपराध में शामिल नहीं जा सकता। वहीं बात करें गंदी बात शो की तो, इसके अब तक 6 सीजन्स आ चुके हैं। गंदी बात एक एरोटिक सीरीज है, जिसमें बोल्ड सीन्स की भरमार है। 2018 में इस सीरीज के पहले सीजन की स्ट्रीमिंग हुई थी। इस सीरीज का डायरेक्शन सचिन मोहिते ने किया है।

कंगना की पोस्ट पर समांथा रुथ प्रभु की तारीफ

एक्ट्रेस कंगना रनौत, जो फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में हैं। उनके बयान अक्सर चर्चा का विषय बन जाते हैं। जहां कई बार उन्हें ट्रोल किया जाता है तो वहीं कई बार वह तारीफ भी पाती हैं। इसी बीच उन्होंने लेटेस्ट पोस्ट में बताया कि किन महिलाओं को चुड़ैल कहा जाता है तो एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु उनकी फैन हो गई हैं। वहीं सोशल मीडिया पर पोस्ट यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं।

दरअसल, कंगना रनौत ने एक्स पर ट्वीट शेयर किया, जिसमें जॉन कोलिन्स नामक एक यूजर द्वारा की गई पोस्ट था। इसमें लिखा गया, 'चुड़ैलों से मत डरो, उनसे डरो जिन्होंने उन्हें जला दिया।' इसी पोस्ट को शेयर करते हुए कंगना ने अपनी राय देते हुए लिखा, 'चुड़ैलें ऐसी महिलाएं होती हैं, जो अपने उच्च सेल्फ से जुड़ी होती हैं, उनका अंतर्ज्ञान, संक्रामक मुक्त आत्मा, अदम्य इच्छा शक्ति और सभी सीमाओं को तोड़ने की बेकाबू इच्छा उन्हें रहस्यमय, भयावह और उन लोगों के लिए खतरनाक बनाती है जो पिंजरे में बंद हैं और शापित हैं।'उन्होंने एक्ट्रेस ने लिखा, 'पिंजरे में बंद लोगों का मानना है कि प्रतिभाशाली लोगों के पास कुछ बुरी शक्तियां होती हैं और उन्हें जलाकर राख कर देना चाहिए, दुख कई रूपों में मौजूद है और ईर्ष्या उन सभी में सबसे दुखद है। आप ईर्ष्या करना या प्रेरित होना चुन सकते हैं, एक स्मार्ट ऑप्शन चुनें, जो प्रेरित होना चुनते हैं वे चुने हुए लोग हैं, पिंजरे को तोड़ें और आजाद हों।'एक्ट्रेस का ये पोस्ट साफ नहीं है कि यह किसके लिए लिखा गया है। लेकिन समांथा रुथ प्रभु ने कैप्शन शब्द लिखते हुए कंगना की तारीफ की है। वहीं कई कुछ लोग इस पोस्ट को एक्ट्रेस के पुराने इंटरव्यू से जोड़ते दिख रहे हैं, जिसमें उन्हें एक्स बॉयफ्रेंड अध्ययन सुमन ने काले जादू का जिक्र कहा था।

बाजीराव सिंघम क्यों हुआ महिलाओं और बच्चों के बीच पॉपुलर

दीवाली पर बाजीराव सिंघम वापस आने वाला है क्योंकि इस बार सिंघम अगेन के साथ अजय देवगन और रोहित शेट्टी लौट रहे हैं। लेकिन इस बार और भी अधिक एक्शन से भरपूर रोमांच और सूर्यवंशी से लेकर सिंबा तक इस मल्टी स्टारर फिल्म में देखने को मिलने वाली है। दिल दहला देने वाले सीक्वेंस और तीव्र ड्रामा के साथ, फिल्म के ट्रेलर ने पहले ही प्रशंसकों के बीच जबरदस्त हलचल मचा दी है, जो 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उत्साह बढ़ाने के लिए, फिल्म के निर्देशक रोहित शेट्टी और सुपरस्टार अजय देवगन ने सिंघम (2011) की एक विशेष फैंस स्क्रीनिंग में नजर आये, जहां दोनों ने प्रशंसकों के साथ बातचीत की और सिंघम अगेन के बारे में रोमांचक अपडेट शेयर किए।इस इवेंट में अजय देवगन से पूछा गया कि आपको कब महसूस हुआ कि यह किरदार और कहानियों को आगे ले जाने की क्षमता रखता है। इस सवाल का जवाब देते हुए अजय देवगन ने कहा, 'असल में ऐसा नहीं है, सिंघम की रिलीज़ के बाद हमें दर्शकों से जो प्रतिक्रिया मिली, वह मेरे लिए भी बहुत अजीब थी।

भाजपा के मजबूत गढ़ को भेद पाएगी एमवीए

विश्लेषण

राजा आदाटे

आज के चुनावी विश्लेषण में नांदेड़ लोकसभा से लगे मुखेड़ निर्वाचन क्षेत्र के चुनावी विश्लेषण की ओर बढ़ गए है। यहां पर इस समय पर भाजपा का गढ़ मजबूत बना हुआ है जिसे तीन साल में अब तक कोई भी पार्टी तोड़ नहीं पाई है।

महाराष्ट्र में चुनावी दौर जहां पर चल रहा है वहीं पर राज्य में चुनाव को लेकर आज से एक महीने का भी कम समय बचा हुआ है। यहां पर भाजपा क्या शिवसेना क्या साथ ही कांग्रेस और अन्य पार्टियां जीत के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को आयोजित किए जाने वाले है। आज के चुनावी विश्लेषण में नांदेड़ लोकसभा से लगे मुखेड़ निर्वाचन क्षेत्र के चुनावी विश्लेषण की ओर बढ़ गए है। यहां पर इस समय पर भाजपा का गढ़ मजबूत बना हुआ है जिसे तीन साल में अब तक कोई भी पार्टी तोड़ नहीं पाई है। यहां पर वर्तमान विधायक तुषार राठौड़ हैं जो चुनावी रण बचाने की तैयारी में है।

मुखेड़ विधानसभा का भौगोलिक इतिहास

यहां पर मुखेड़ विधानसभा की बात की जाए तो, मुखेड़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पश्चिमी भारत के महाराष्ट्र राज्य के 288 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है जो नांदेड़ जिले के अंतर्गत आता है और निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं को 2008 में बदल दिया गया था।2008 के परिसीमन के अनुसार नांदेड़ जिले में नौ विधानसभा क्षेत्र हैं, अर्थात किनवट , हदगांव , भोकर , नांदेड़ उत्तर , नांदेड़ दक्षिण , लोहा , नायगांव , देगलुर और मुखेड़। निर्वाचन क्षेत्र में मुखेड़ तालुका और कंधार तालुका से संबंधित राजस्व मंडल पेठवाडज और कुर्ला शामिल हैं ।

क्या रहा था 2019 का चुनावी परिणाम

इससे पहले 2019 में विधानसभा चुनाव कराए गए थे इसमें भाजपा के डॉ तुषार राठौड़ ने 102,573 वोट नेतृत्व के 31,863 वोट शेयर 55.14% प्राप्त किया था तो वहीं पर कांग्रेस के भाऊसाहेब खुशालराव पाटिल को चुनाव के दौरान मात दी थी। जिन्हें चुनाव में 70,710 वोट वोट शेयर 38.01% से संतोष करना पड़ा था। वंचित बहुजम आघाड़ी के जीवन विठ्लराव दारेगवे को 8,756 वोट वोट शेयर 4.71% के साथ प्राप्त किया था।

आगे क्या?

मौजूदा समय में भाजपा का पलड़ा भारी नजर आ रहा है लेकिन कांग्रेस को अंतिम बार 2009 के विधानसभा चुनाव में जीत मिली थी। इसके बाद कांग्रेस जीत के लिए काफी मेहनत कर रही है। इधर भाजपा के अलावा अन्य पार्टियां भी इस सीट के लिए अपना दमखम दिखाती नजर आ रही है।

किस विधायक का कब तक रहा सफर?

1962
सबने पीराजी सतवाजी, कांग्रेस

1978
घाटे मधुकरराव रंगोजीराव, स्वतंत्र

1980
रावनगांवकर नागनाथराव सतवाजीराव, कांग्रेस (यू)

1985
घाटे मधुकरराव रंगोजीराव, कांग्रेस

1990
घाटे मधुकरराव रंगोजी, कांग्रेस

1995
अविनाश मधुकरराव घाटे, कांग्रेस

1999
सुभाष पीराजी सबने , शिव सेना

2004
सुभाष पीराजी सबने, शिव सेना

2009
हनमंत वेंकटराव पाटिल, कांग्रेस

2014:
गोविंद मुक्काजी राठौड़ , भाजपा

2015 उपचुनाव
तुषार राठौड़, भाजपा

पार्टी रणनीति

क्या कांग्रेस बचा पाएगी अपना गढ़

6 चुनावों से कांग्रेस का कब्ज़ा, अमीन पटेल 3 बार के विधायक

महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है, जिसके तहत 20 नवंबर को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान होगा तो वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे भी आ जाएंगे। ऐसे में प्रदेश के सभी सक्रिय राजनीतिक दल चुनावी तैयारी में जुट गए हैं और जोर-आजमाइश करने लगे हैं। 23 नवंबर को यह स्पष्ट हो जाएगा की मुम्बादेवी विधानसभा की जनता ने इतिहास दोहराया है या फिर इतिहास बनाया है। मुम्बादेवी विधानसभा सीट मुंबई के अंतर्गत आती है और यहां से कांग्रेस के कद्दावर नेता अमीन पटेल लगातार तीन बार के विधायक है। पिछले छह चुनावों से कांग्रेस का इस सीट पर कब्ज़ा रहा है, यह कांग्रेस का गढ़ कहा जाता है। इस बार के विधानसभा चुनाव का परिदृश्य कुछ अलग है, माना जा रहा है। लेकिन लगातार छह बार जितने के कारण कांग्रेस इस सीट पर ज्यादा परिवर्तन के मूड में नहीं है। हालांकि अबतक कांग्रेस ने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, लेकिन इस बार वोटिंग का पैटर्न क्या होगा यह देखने लायक होगा। आइये आपको बताते हैं, कि पिछले तीन चुनाव में मुम्बादेवी विधानसभा सीट की क्या स्थितियां रही है।

धीरज सिंह

इस बार देखने लायक होगा मुकाबला

मुम्बादेवी विधानसभा चुनाव में इस बार राजनीतिक समीकरण कुछ अलग ही बनते दिखाई दे रहे है। शिवसेना UBT और शिंदे गुट बनने के बाद यहां का सियासी समीकरण बड़ा रोचक हो गया है, अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि पिछली बार जहां कांग्रेस ने इस सीट को जीता था, तो वहीं इस बार NCP में दो गुट बनने के बाद यहां क्या स्थिति बनती है। क्योंकि अब एनसीपी [अजीत] गुट महायुति में शामिल है। पिछले तीन चुनाव में कांग्रेस ने इस सीट को जीतकर हैटट्रिक लगाई थी, लेकिन इस बार क्या होता है यह देखने लायक होगा।

विधानसभा चुनाव 2019

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
अमीन पटेल	कांग्रेस	58952	54.9
पांडुरंग गणपत सकपाल	एसएचएस	35297	32.9
बशीर मूसा पटेल	एआईएमआईएम	6373	5.9
केशव रमेश मुले	मनसे	3185	3

विधानसभा चुनाव 2009

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
अमीन पटेल	कांग्रेस	45285	46.83
अनिल चंद्रकांत पडवाल	एसएचएस	28646	29.63
बशीर मूसा पटेल	सपा	19936	20.62
याकूब खान	स्वतंत्र	1265	1.31

विधानसभा चुनाव 2014

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
अमीन पटेल	कांग्रेस	39188	35.56
अतुल शाह	भाजपा	30675	27.83
मोहम्मद शाहिद रफी	AIMIM	16165	14.67
सलेकर युगंधरा यशवंत	एसएचएस	15479	14.05
इम्तियाज जेड. अनीस	मनसे	3601	3.27
हुजेफा इलेक्ट्रिकवाला	राकांपा	1372	1.25

रिपोर्ट कार्ड : मालाबार हिल विधानसभा सीट

पिछले तीन चुनावों से BJP का दबदबा

शिवसेना-कांग्रेस भी दावेदार

मालाबार हिल एक सामान्य श्रेणी की विधानसभा सीट है, जो मुंबई शहर जिले में स्थित है और मुंबई दक्षिण संसदीय सीट के 6 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है। वर्तमान में यहां बीजेपी के मंगल प्रभात लोढ़ा विधायक है।

महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है, जिसके तहत 20 नवंबर को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान होगा तो वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे भी आ जाएंगे। ऐसे में प्रदेश के सभी सक्रिय राजनीतिक दल चुनावी तैयारी में जुट गए हैं और जोर-आजमाइश करने लगे हैं। 23 नवंबर को यह स्पष्ट हो जाएगा की मालाबार हिल विधानसभा की जनता ने इतिहास दोहराया है या फिर इतिहास बनाया है। भायखला विधानसभा सीट मुंबई के अंतर्गत आती है और यहां से बीजेपी के मंगल प्रभात लोढ़ा लगातार तीन बार के हैं। लोढ़ा का लगातार तीन बार विधायक चुनकर आना यह बताता है, कि इस क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता क्या है। इस बार के विधानसभा चुनाव का परिदृश्य कुछ अलग है, माना जा रहा है, कि लगातार तीन बार जितने के कारण बीजेपी इस सीट पर ज्यादा परिवर्तन के मूड में नहीं है। हालांकि अब तक बीजेपी ने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, लेकिन इस बार वोटिंग का पैटर्न क्या होगा यह देखने लायक होगा। आपको बताते हैं, कि पिछले तीन चुनाव में मालाबार हिल विधानसभा सीट की क्या स्थितियां रही है।

विधानसभा चुनाव 2019

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
मंगल प्रभात लोढ़ा	भाजपा	93538	75.9
हीरा नवाजी देवासी	कांग्रेस	21666	17.6
नोटा	नोटा	5392	4.4

विधानसभा चुनाव 2014

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
मंगल प्रभात लोढ़ा	भाजपा	97818	67.06
अरविंद (अरुण) देवजी दुधवाडकर	एसएचएस	29132	19.97
सुसीबेन शाह	कांग्रेस	10928	7.5
एडवोकेट राजेंद्र अधिक शिरोडकर	मनसे	3925	2.7

विधानसभा चुनाव 2009

उम्मीदवार	दल	#वोट	%वोट
मंगल प्रभात लोढ़ा	भाजपा	58530	47.73
बाफना रा. सुमेरमल	कांग्रेस	33971	27.71
एड. अर्चित मो. जयकर	मनसे	25949	21.16

बड़ा रोचक हो गया है सियासी समीकरण

मालाबार हिल विधानसभा चुनाव में इस बार राजनीतिक समीकरण कुछ अलग ही बनते दिखाई दे रहे है। शिवसेना UBT और शिंदे गुट बनने के बाद यहां का सियासी समीकरण बड़ा रोचक हो गया है, अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि पिछली बार जहां बीजेपी ने इस सीट को जीता था, तो वहीं इस बार दो गुट बनने के बाद यहां क्या स्थिति बनती है। क्योंकि अब एनसीपी [अजीत] गुट भी शामिल है। पिछले तीन चुनाव में बीजेपी ने इस सीट को जीतकर हैटट्रिक लगाई थी, लेकिन इस बार क्या होता है यह देखने लायक होगा।